NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 01 लखनऊ, शनिवार 10 अगस्त 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

10 अगस्त को पीएम मोदी का वायनाड दौरा, भूस्खलन प्रभावित इलाकों का लेंगे जायजा

एजेंसी।

नई दिल्ली दोपहर करीब 12रू15 बजे मोदी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे जहां उन्हें बचाव अभियान बलों द्वारा निकासी प्रयासों के बारे में जानकारी दी जाएगी। वह वहां चल रहे पुनर्वास कार्यों की निगरानी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा करेंगे और राहत एवं पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे कन्नूर पहुंचेंगे. वहां से वह वायनाड के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे।

दोपहर करीब 12:15 बजे मोदी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे जहां उन्हें बचाव अभियान बलों द्वारा निकासी प्रयासों के बारे में जानकारी दी जाएगी। वह वहां चल रहे पुनर्वास कार्यों की निगरानी करेंगे। पीएम मोदी राहत शिविर और अस्पताल भी जाएंगे, जहां वह भूस्खलन के पीड़ितों और जीवित बचे लोगों से मिलेंगे और बातचीत करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे जहां उन्हें घटना और चल रहे राहत प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। पहाड़ी जिले में 30 जुलाई को हुए भीषण भूस्खलन में 226 लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक लोग लापता हो गए। कल,

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि जो लोग अभी भी लापता हैं, उन्हें ढूंढने के लिए ष्अंतिम प्रयासष के रूप में रिश्तेदारों को खोज अभियान में शामिल किया जा रहा है क्योंकि अन्य सभी संभावित साधन समाप्त हो गए हैं।

योगी सरकार के एक्शन दिखा असर, धर्मांतरण विरोधी कानून तहत अब तक 1682 अरेस्ट, 850 केस दर्ज

संवाददाता।

लखनऊ पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी इन मामलों की गहन जांच और प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए जांच पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। कुमार के अनुसार, राज्य में अवैध धर्मांतरण पर चल रही कार्रवाई के तहत 17 मामलों में जांच अभी भी जारी है।

उत्तर प्रदेश में अवैध धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून लागू होने से कानूनी कार्रवाई में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, मामले अभी भी सामने आ रहे है। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेधा अधिनियम 2020 में लागू किया गया था और यह कानून वर्ष

2021 में लागू हुआ। 2020 से अब तक राज्य में अवैध धर्म परिवर्तन के 835 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 31 जुलाई, 2024 तक 1,682 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई गाजियाबाद कमिश्नरेट, अंबेडकरनगर, भदोही, सहारनपुर और शाहजहांपुर में की गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी इन मामलों की गहन जांच और प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए जांच पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। कुमार के अनुसार, राज्य में अवैध धर्मांतरण पर चल रही कार्रवाई के तहत 17 मामलों में जांच अभी भी जारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मांतरण के लिए प्रलोभन और अवैध साधनों का इस्तेमाल करने वालों को बख्शा न जाए। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आज तक, लगभग 98: मामलों में आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं, जो कि लगभग 818 मामलों के बराबर है, तथा 17 मामलों की अभी भी जांच चल रही है। कुल मिलाकर, 835 मामलों में 2,708 व्यक्तियों को नामजद किया गया है।

मोहन भागवत ने जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया, पुरी के शंकराचार्य से की मुलाकात

एजेंसी।

नई दिल्ली बृहस्पतिवार देर रात मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव और प्रवाती परीदा ने उत्कल बिपन्न सहायता समिति (यूबीएसएस) कार्यालय में भागवत से मुलाकात की। भागवत ने यहीं रात्रि विश्राम किया था। राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को जगन्नाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। सेवादारों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने मंदिर के अंदर करीब आधा घंटा बिताया और पुजारियों से बातचीत की।सिंह द्वार पर मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। भागवत ने बाद में गोवर्धन पीठ में पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, उनकी चर्चा के विषयों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।तय कार्यक्रम के अनुसार, भागवत 10 और 11 अगस्त को आरएसएस की प्रांत सेवा प्रमुख बैठक में शामिल होंगे और संगठन की गतिविधियों और इसकी आगामी योजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वह सोमवार तक पुरी में रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और उपमुख्यमंत्री केवी सिंहदेव और प्रवाती परीदा ने उत्कल बिपन्न सहायता समिति (यूबीएसएस) कार्यालय में भागवत से मुलाकात की। भागवत ने यहीं रात्रि विश्राम किया था।

बिहार मुख्यमंत्री ने गंगा नदी के बढ़े जलस्तर पर अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया

एजेंसी।

पटना बिहार नीतीश कुमार ने पटना और अन्य स्थानों पर गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अलर्ट रहने एवं सारी तैयारी पूर्ण रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ पटना में जेपी गंगा पथ कंगन घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति का जायजा लिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना और अन्य स्थानों पर गंगा नदी के बढ़े जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अलर्ट रहने एवं सारी तैयारी पूर्ण रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पटना में जेपी गंगा पथ कंगन घाट, काली घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें। अशोक राजपथ को जेपी गंगा पथ से मिलानेवाले कृष्णा घाट पर निर्माणाधीन पहुंच पथ की भी मुख्यमंत्री ने जानकारी ली और तेजी से निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त–सह–जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों के मुताबिक, गंगा नदी पटना जिले के गांधी घाट और हाथीदह तथा

आसपास के इलाकों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उन्होंने बताया कि भागलपुर जिले के कुछ इलाकों में भी गंगा नदी खतरे के निशान को छू गई है। राज्य जल संसाधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोन नदी से पानी छोड़े जाने के कारण भी गंगा का जलस्तर बढ़ा है। मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी का जलस्तर बढ़ने से कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। गोपालगंज जिले के सिधवलिया के पास गंडक नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि सुपौल जिले के बसुआ में कोशी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राज्य के कुछ इलाकों में हाल के दिनों में मध्यम से भारी बारिश के कारण बागमती, गंडक, गंगा, कमला बलान और कोसी जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ा है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले दो दिनों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

उपवर्गीकरण के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए सरकार-मायावती

लखनऊ ।बसपा की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण में उप–वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार दिये जाने के फैसले को संविधान संशोधन के जरिये निष्प्रभावी करने पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र सरकार से संसद के इसी सत्र में संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण में उप–वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार दिये जाने के फैसले को संविधान संशोधन के जरिये निष्प्रभावी करने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार से संसद के इसी सत्र में संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की। मायावती ने 'एक्ष्स' पर एक पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज मिलने गये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एससीध्एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) सांसदों को यह आश्वासन देना कि कोटे में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी–एसटी के आरक्षण में कोई उप–वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित है और ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत।" भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और एससी व एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में यह भी कहा, "लेकिन अच्छा होता कि उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप–वर्गीकरण किये जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता।" बसपा प्रमुख ने अपने सिलसिलेवार पोस्ध्ट में आशंका जाहिर करते हुए कहा, "उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससीध्एसटी वर्ग का उप–वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अतः संविधान संशोधन बिल इसी सत्र में लाया जाए।" उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप–वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के 'मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों' के आधार पर उप–वर्गीकरण करना होगा, न कि 'मर्जी' और 'राजनीतिक लाभ' के आधार पर।

उपचुनाव के लिए अखिलेश ने तैयार किया मास्टर प्लान, इन्हें टिकट देने की तैयारी, करहल से तेज प्रताप पर दांव

संवाददाता।

लखनऊ। खबर के मुताबिक मिल्कीपुर के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद और कटेहरी के सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा को हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव करहल से पार्टी के उम्मीदवार हो सकते हैं, जबकि इरफान सोलंकी के परिवार के किसी सदस्य के सीसामऊ से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। ऐसे में समाजवादी पार्टी (सपा) अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर अपना प्लान तैयार कर लिया है। पार्टी इसको लेकर पारिवारिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करती दिख रही है। पार्टी अपनी रणनीति में स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के

लिए पहली और दूसरी पंक्ति के नेताओं का मिश्रण तैयार कर रही है। सूत्रों से पता चला है कि सपा कई सीटों पर मौजूदा सांसदों के रिश्तेदारों को मैदान में उतारने की मंशा जता रही है। खबर के मुताबिक सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा को हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। जबकि इरफान सोलंकी के परिवार के किसी सदस्य के सीसामऊ से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। इसके अलावा पूर्व विधायक हाजी रिजवान और पूर्व सांसद कादिर राणा क्रमशरू कुंदरकी और मीरापुर से संभावित उम्मीदवार हैं।शेष चार सीटों के लिए बातचीत जारी है, जिनमें से दो सीटें इंडिया अलायंस के तहत कांग्रेस को आवंटित की जा सकती हैं। उम्मीदवारों की सूची से पता चलता है कि सपा रणनीतिक रूप से दूसरी पीढ़ी के नेताओं को उन जिलों में कमान सौंपने के लिए तैनात कर रही है, जहां पहली पीढ़ी के सदस्य राष्ट्रीय भूमिकाओं में चले गए हैं। अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए समाजवादी पार्टी इन निर्वाचन क्षेत्रों में सर्वेक्षण और शोध करवा रही है। पार्टी का लक्ष्य उपचुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले अपने उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देना है।

हरियाणा स्कूल शिक्षा निदेशालय का निर्देश, अब 'गुड मानिंग' नहीं, 'जय हिंद' कहेंगे बच्चे

एजेंसी।

हरियाणा स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को परिपत्र भेजा है। हरियाणा सरकार के एक सर्कुलर के अनुसार इस स्वतंत्रता दिवस से हरियाणा के सभी स्कूलों में श्गुड मॉर्निंगश शब्द की जगह श्जय हिंदश शब्द लिखा जाएगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने गुरुवार (8 अगस्त) को जारी सर्कुलर में कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना पैदा करना है। सर्कुलर में कहा गया है कि श्जय हिंदश शब्द सुभाष चंद्र

बोस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गढ़ा था और स्वतंत्रता के बाद सशस्त्र बलों द्वारा इसे सलामी के रूप में अपनाया गया था।स्कूल शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, जिला खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को परिपत्र भेजा है। परिपत्र के अनुसार, स्कूलों में श्गुड मॉर्निंगश की जगह श्जय हिंदश लिखा जाएगा, ताकि छात्रों को राष्ट्रीय एकता की भावना और देश के समृद्ध इतिहास के प्रति सम्मान से प्रतिदिन प्रेरित किया जा सके। इसमें कहा गया है कि देशभक्ति से ओतप्रोत श्जय हिंदश छात्रों को देश की आजादी के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित इसमें कहा गया है कि श्जय हिंदश क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों से परे है और विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देता है। परिपत्र में कहा गया है कि श्जय हिंदश जैसे अभिवादन के नियमित उपयोग से छात्रों में अनुशासन और एकरूपता की भावना पैदा होगी। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने एक अभियान शुरू किया था जिसमें लोगों से अपील की गई कि वे फोन कॉल आने पर पारंपरिक श्हैलोश के बजाय श्वंदे मातरमश कहें। एक दिन पहले ही सरकार ने एक सरकारी संकल्प (जीआर) जारी कर राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों से अपील की थी कि वे आधिकारिक या व्यक्तिगत फोन कॉल के दौरान लोगों का अभिवादन श्हैलोश के बजाय श्वंदे मातरमश कहकर करें।

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन

एजेंसीं

नई दिल्लीअठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी जिसमें केंद्रीय बजट 2024–25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य उत्पादकता 136 प्रतिशत रही। संसद का मानसून सत्र खत्म हो गया है। आज लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। नई सरकार के गठन के बाद इस सत्र में बजट भी पेश किया गया। दोनों ही सदनों में बजट को लेकर ही ज्यादातर चर्चाएं हुई हैं। हालांकि इस सत्र के दौरान कुछ मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने भी रहे। आखिरी दिन भी राज्यसभा में वार–पलटवार का दौर देखने को मिला। जबकि इसी सत्र में जाति को लेकर लोकसभा में जबरदस्त तरीके से बवाल हुआ था। आज की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही दोनों सदनों ने ओलंपिक में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम को बधाई दीं। वहीं लोकसभा में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को मंजूरी दे दी गई। चलिए आपको बताते हैं कि आज कार्यवाही में क्या कुछ हुआ। अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी जिसमें केंद्रीय बजट 2024–25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य उत्पादकता 136 प्रतिशत रही। अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024–25 पेश किया। अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा का जवाब वित्त मंत्री सीतारमण ने 30 जुलाई को दिया। लोकसभा में 30 जुलाई से पांच अगस्त तक स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय और मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद इन्हें मंजूरी दी गई। सदन ने गत पांच अगस्त को केंद्रीय बजट से संबंधित विनियोग विधेयक 2024 को मंजूरी दी। इसके अलावा लोकसभा के इस सत्र में वित्त विधेयक 2024, जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 और भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 को पारित किया गया।

उ0प्र0 परिवहन निगम के 23 बस स्टेशन को आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया चल रही

बस स्टेशनों की निर्माण अवधि में यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध होगी – दयाशंकर सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा 23 प्रमुख बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित कराये जाने की कार्रवाई चल रही है। इनमें से 11 बस स्टेशनों हेतु चयनित विकासकर्ता फर्म के साथ कंसेशन अनुबंध निष्पादित किए जा चुके हैं। शेष 12 बस स्टेशनों हेतु मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के बाद कंसेशन अनुबंध हस्ताक्षरित किए जायेंगे।परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने गाजियाबाद, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ, अलीगढ़, गोरखपुर, अयोध्याधाम, बुलंदशहर, बरेली, रायबरेली, मिर्जापुर, वाराणसी, कानपुर, मथुरा एवं हापुड़ के जिलाधिकारियों को पीपीपी मॉडल पर बनने वाले 23 बस स्टेशनों को विकसित कराये जाने के लिए निर्माण अवधि में बसों के संचालन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए हैं। जिससे आम जनमानस को आवश्यक परिवहन सेवाओं का लाभ सतत रूप से प्रदान किया जा सके। परिवहन मंत्री ने बताया कि पीपीपी मॉडल पर निर्मित होने वाले इन बस स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधा, रिटेल आउटलेट्स, मल्टीप्लेक्स इत्यादि की सुविधाएं उपलब्ध होगी, जिससे लोगों को बस स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित किए जाने की परियोजना मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना का अंग है। उ0प्र0 परिवहन विभाग के जिन 23 बस स्टेशनों को प्रथम चरण में पीपीपी पद्धति पर विकसित किये जा रहे हैं। इसमें जनपद गाजियाबाद के कौशाम्बी (गाजियाबाद), गाजियाबाद एवं साहिबाबाद है। जनपद आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर, ईदगाह बस स्टेशन एवं फोर्ट बस स्टेशन हैं। जनपद प्रयागराज के सिविल लाइन्स एवं जीरो रोड हैं। जनपद लखनऊ के विभूतिखण्ड, अमौसी एवं चारबाग बस स्टेशन हैं। जनपद मथुरा के मथुरा (पुराना), जनपद कानपुर के कानपुर सेन्ट्रल (झकरकटी), जनपद वाराणसी के कैण्ट बस स्टेशन, जनपद मेरठ के सोहराबगेट, जनपद अलीगढ़ के रसूलाबाद, जनपद गोरखपुर के गोरखपुर, जनपद अयोध्या के अयोध्याधाम, जनपद बुलन्दशहर के बुलन्दशहर (नया), जनपद हापुड़ के गढ़ मुक्तेश्वर (नया), जनपद बरेली के बरेली (सैटेलाइट), जनपद रायबरेली के रायबरेली एवं जनपद मिर्जापुर के मिर्जापुर बस स्टेशन शामिल हैं।

अयोध्या क्षेत्र के 07 चालू निर्माण कार्यों हेतु 04 करोड़ 11 लाख 20 हजार की धनराशि की गयी आवंटित

लखनऊ (आरएनएस)। उ0प्र0 सरकार द्वारा राज्य योजना (सामान्य) के अन्तर्गत अयोध्या क्षेत्र के अन्तर्गत 07 चालू निर्माण कार्यों हेतु रू0 04 करोड़ 11 लाख 20 हजार की धनराशि आवंटित कर दी गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उ0प्र0 शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है।इन 07 चालू कार्यों में जनपद अम्बेडकरनगर में विधानसभा जलालपुर में बुद्धिताल नाले पर 5ग5 मी0 स्पान के लघु सेतु, पहुँच मार्ग के निर्माण कार्य हेतु रू0 27 लाख 48 हजार, विधानसभा आलापुर के अर्न्तगत ककरापार (तिवारी का पुरा) की पिकिया नाले पर 8ग4 मी0 स्पान के लघु सेतु, पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य हेतु रू0 20 लाख 51 हजार व दोस्तपुर–अकबरपुर–जलालपुर–न्योरी मार्ग (अ0जि0मा0–155ई) के किमी0–29 में अनउवा नाला पर 4ग6 मी0 आर0सी0सी0 बाक्स एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य हेतु रू0 01 करोड़ 15 लाख 50 हजार, जनपद बाराबंकी में भेलसर–टिकैतनगर–रामनगर–फतेहपुर मार्ग (राज्य मार्ग–127) के कि0मी0–23 में स्थित ज्योड़ी नाला पर 4ग5ग4 मी0 बाक्स कल्वर्ट एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य हेतु रू0 01 करोड़ 16 लाख 21 हजार व बाराबंकी में सलेमपुर भनमऊ जैदपुर सफदरगंज बदोसराय मार्ग (अ0जि0मा0–100सी) के कि0मी0–27 में स्थित स्थानीय नाला पर 2ग6ग6 मी0 बाक्स कल्वर्ट एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य हेतु रू0 01 करोड़ 12 लाख, अयोध्या में भेलसर–रूदौली–इन्हौना (अ0जि0मा0) के कि0मी0–6 में 4ग4ग4 मी0 स्पान की आर0सी0सी0 बाक्स कल्वर्ट का निर्माण कार्य हेतु रू0 02 लाख 47 हजार तथा अमेठी में जायस मोहनगंज इन्हौंजा रूदौली मार्ग के किमी0–18 पर स्थित सकरे लघु सेतु के स्थान पर नये लघु सेतु के निर्माण हेतु रू0 17 लाख 03 हजार (इस प्रकार कुल रू0 04 करोड़ 11 लाख 20 हजार) की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। जारी शासनादेश में निर्देश दिये गये हैं कि परियोजना पर मानक व विशिष्टियां के अनुरूप ही धनराशि व्यय कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही शासनादेश में यह भी निर्देश दिये गये हैं कि राज्य योजनान्तर्गत निर्माणाधीन सेतु की गुणवत्ता एवं निर्माण की प्रगति की नियमित समीक्षा कर निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण कराते हुये समीक्षा रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय प्रगति सहित वास्तविक भौतिक प्रगति तथा उपयोगिता प्रमाण–पत्र एवं स्थलीय फोटोग्राफ शासन को उपलब्ध कराया जाय।

भाजपा नेता के घर लूट मामले में एसपी ने 7 सिपाहियों को किया निलंबित,

घर में पुलिस कर्मियों की मौजूदगी के बाद भी बेटे को गन पश्वइंट पर लेकर बदमाशों ने की थी लूटपाट

हरदोई(आरएनएस)। भाजपा नेता और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि के घर हुई लूटपाट के मामले में एसपी ने 7 सिपाहियों को निलंबित किया है।भाजपा नेता धनंजय मिश्रा के घर में घुसे पांच बदमाशों ने उनके बेटे को गन पॉइंट पर लेकर घर में लूटपाट की थी।लूटकांड के वक्त घर में सात सुरक्षाकर्मी मौजूद थे लेकिन बावजूद इसके लुटेरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।लुटेरों से छूटने के बाद बेटे के शोर मचाने पर धनंजय मिश्रा ने सिपाहियों को लेकर जब लुटेरों का पीछा किया तो लुटेरे फायरिंग करते फरार हो गए थे।इस पूरे मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था और आज ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 7 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है।दरअसल भाजपा नेता के पिता हरिशंकर मिश्रा और भाई पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी लिहाजा उनके घर पर सुरक्षा में पुलिस की एक गारद तैनात रहती है जबकि भाजपा नेता और उनके भाई की सुरक्षा में एक–एक पुलिसकर्मी की तैनाती की गई है।जिले के सुरसा थाना इलाके के मलिहामऊ गांव में रहने वाले बीजेपी नेता और सुरसा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय मिश्रा के घर गन प्वाइंट पर हुई लूट के मामले में एसपी नीरज जादौन ने सुरक्षा में तैनात सात पुलिसकर्मियों आरक्षी रामखेलावन,आदेश कुमार,पंकज कश्यप,विकास कुमार,धर्मेन्द्र सिंह पांचाल,सचिन विहान और आरक्षी गोलू को निलंबित कर दिया है।दरअसल मंगलवार मध्यरात्रि के बाद धनंजय मिश्रा के मकान के बाहर लोहे के गेट का कुंडा काटकर हथियारबंद बदमाश उनके घर में दाखिल हुए थे।उसी दौरान उनका चौदह साल का बेटा अपने कमरे से बाहर निकल कर घर के आँगन में आया तो बदमाशों ने उसे बंधक बना लिया और उसके सीने पर तमंचा सटाकर उससे कीमती सामान के बारे में जानकारी ली और उसे एक बदमाश गन पॉइंट पर लेकर घर के बाहर पोर्टिको में बिठाये रखा था।बीजेपी के मुताबिक इस दौरान अंदर घुसे तीन बदमाशों ने घर के अंदर अलमारी से कीमती सामान जिसमे एक सोने का हार, चार सोने के कंगन, लगभग एक किलो चांदी सहित एक लाख रुपये की नगदी की लूटपाट करने के बाद घर में लगा डीवीआर, वाई फाई, सीसीटीवी कैमरा आदि लूटकर फरार हो गए।बदमाशों के भाग जाने के बाद बेटे के शोर मचाने पर घर में परिजनों व मौजूद पुलिस कर्मियों को घटना की जानकारी हुई।जिसके बाद बीजेपी नेता और घर में तैनात पुलिसकर्मियों ने आनन फानन में लुटेरों का पीछा किया और पुलिस को सूचना दी।गांव से कुछ दूरी पर गन्ना सेन्टर के समीप पांच संदिग्ध अवस्था में खडे लोग दिखाई दिये।जिनको पुलिस कर्मियों ने टोका तो टोकने पर हवाई फायर करते हुए सभी बदमाश भाग निकले थे।पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।गौरतलब हो कि पूर्व में बीजेपी नेता के भाई और पिता की हत्या के बाद सरकार ने उन्हें सुरक्षा दे रखी है।पांच पुलिसकर्मियों की एक गारद उनके घर पर तैनात रहती है,जबकि धनंजय मिश्रा और उनके भाई श्याम जी मिश्रा की सुरक्षा में भी एक–एक गनर तैनात है।ऐसे में भाजपा नेता के घर लूटपाट की इस वारदात के बाद ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने पर एसपी ने सुरक्षा में तैनात सातों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।हालांकि पुलिस अभी वारदात को अंजाम देकर फरार हुए बदमाशों तक पहुंचने में नाकाम रही है लेकिन पुलिस का दावा है कि जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हाथ में तख्ती लेकर थाने पहुंचे 71 हिस्ट्रीशीटर

अपराध से की तौबा शपथ लेकर बोले नहीं करेंगे अपराध

हरदोई(आरएनएस)।योगीराज में बुलडोजर एक्शन और पुलिस की सख्त कार्रवाई का खौफ अपराधियों में साफ नजर आ रहा है।हरदोई में पुलिस की सख्ती के चलते 71 हिस्ट्रीशीटर थाने पहुंचे और थानाध्यक्ष के सामने अपराध न करने की शपथ ली।अपराधियों ने थानाध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि वह किसी प्रकार का अपराध नहीं करेंगे और यदि कोई व्यक्ति अपराध करता है तो उसकी सूचना जल्द से जल्द थाने पर देंगे।ऐसे में पुलिस ने भी हिष्ट्रीशीटरों को भरोसा दिलाया कि भविष्य में अगर उनकी गतिविधियों में सुधार हुआ तो उनकी हिष्ट्रीशीट बंद कर निगरानी समाप्त कराई जाएगी।अतरौली थाना परिसर में हाथों में तख्तियां लेकर खड़े यह लोग थाने के हिस्ट्रीशीटर अपराधी है जो कि थाने पहुंचकर अपराध न करने की शपथ लेने आए हैं।इन सभी हिष्ट्रीशीटरों ने अपने जीवन में बड़ी बड़ी आपराधिक वारदातों को अंजाम दिया है,लेकिन योगीराज में बुलडोजर एक्शन और पुलिस की सख्त कार्रवाई का खौफ इनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा है।यही वजह है कि 71 हिष्ट्रीशीटर अपराधी हाथों में तख्ती लेकर एक साथ थाने पहुंचे और अपराध से तौबा की। आपको बता दें कि हिष्ट्रीशीटर अपराधियों की लगातार निगरानी की जाती है।इधर काफी दिनों से इन हिष्ट्रीशीटरो की निगरानी नहीं हो पा रही थी।ऐसे में थानाध्यक्ष दिलेश कुमार सिंह ने सभी को थाने बुलाया तो सभी हिस्ट्रीशीटर हाथों में तख्ती लेकर पहुंचे और अपराध ना करने की शपथ ली।हिस्ट्रीशीटरो ने थाने में शपथ लेते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार का अपराध नहीं करेंगे और ना ही किसी को अपराध करने देंगे यदि कोई किसी भी प्रकार का अपराध करता है तो सबसे पहले इसकी सूचना थाने पर देंगे।ऐसे में थानाध्यक्ष दिलेश कुमार सिंह ने भी सभी हिस्ट्रीशीटरों को आश्वस्त किया कि वह अपनी बात पर कायम रहे और भविष्य में उनके क्रियाकलापों में सुधार आता है तो उनकी हिस्ट्रीशीट बंद कराकर निगरानी खत्म कराई जाएगी और उन्हें सुधरने का मौका दिया जाएगा।लेकिन अगर कोई अपराध करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिला जज द्वारा कारागार का किया गया निरीक्षण

हरदोई(आरएनएस)। अपर जिला जज द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। अपर जिला जज द्वारा जिला कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर जेल प्रशासन को क्लीनिक के संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए तथा महिला बैरक में बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा बंदियो से खान–पान के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा जेल प्रशासन को बंदियों को जेल पुस्तकालय से पुस्तकें उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

राजकीय आईटीआई लखनऊ के कैम्पस ड्राइव में 288 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

लखनऊ (आरएनएस)। राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ में 07 और 08 अगस्त, 2024 को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, खरखोदा, सोनीपत, हरियाणा द्वारा दो दिवसीय कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न व्यवसायों में आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान, संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि इस रोजगार मेले का आयोजन मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मेलों के माध्यम से संस्थान युवाओं को रोजगार से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उपप्रधानाचार्य हरीश मिश्रा ने कैम्पस ड्राइव के दौरान अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पहली नौकरी को अवश्य ज्वाइन करना चाहिए और मेहनत एवं लगन से कार्य करना चाहिए, ताकि संस्थान का नाम रोशन हो सके। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खाँ ने बताया कि पहले दिन 07 अगस्त, 2024 को अभ्यर्थियों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 335 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया। दूसरे दिन, 08 अगस्त, 2024 को आयोजित साक्षात्कार में कुल 288 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 28 हजार प्रति माह की सीटीसी (कंपनसेशन टु कंपनी) और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इस सफल आयोजन में कार्यदेशक निर्भय कुमार सिंह, मकबूल कादिर, और जेड रहमान का विशेष सहयोग रहा।

अमृत सरोवरों पर पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण में मनाया जाय, स्वतंत्रता दिवस समारोह – केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण में मनायें जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिये हैं। निर्देश दिए हैं कि स्वतंत्रता दिवस पर मनरेगा से बने अमृत सरोवरध्तालाबों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाने के साथ राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत–प्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जांय। तिरंगा यात्रा, वृक्षारोपण, प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जांय। 15 अगस्त से पहले एक सप्ताह का विशेष सफाई अभियान चलाया जाय। प्रत्येक अमृत सरोवर पर सेल्फी प्वाइंट बनाने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिये हैं।उपमुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में, ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी द्वारा समस्त मुख्य विकास अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके इस हेतु विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियोंध्कर्मचारियों को ससमय तैयारी करने और कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। 15 अगस्त से पूर्व एक सप्ताह का स्वच्छता अभियान चलाकर साफ–सफाई कराने व ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित और विकसित किये गये सभी अमृत सरोवर स्थलों और तालाबों पर स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम कराने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कार्यक्रम मेंग्रामीणोंकी भागीदारी सुनिश्चित हो, इस हेतु भी सुबह ग्राम समुदाय द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे गांव मेंभ्रमण करते हुए अमृत सरोवर व तालाबों पर समाप्त होगी। वहां पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होनेवाले जनमानस को स्वच्छता शपथ भी दिलाई जाएगी।

वन मंत्री से ब्रिटिश हाईकमिश्नर लिंडी कैमरून की मुलाकात

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिर्वतन के बिन्दुओं पर आपसी सहयोग प्रदान करने पर हुई चर्चा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार सक्सेना से आज लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर भारत में ब्रिटिश हाईकमिश्नर लिंडी कैमरून ने शिष्टाचार भेंट की। इस औपचारिक मुलाकात के दौरान ब्रिटेन एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्यम वन पर्यावरण एवं जलवायु परिर्वतन के बिन्दुओं पर आपसी सहयोग प्रदान करने पर चर्चा हुई और विकास का कामन एजेंडा तय करने पर भी विचार–विमर्श हुआ। इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन में हो रहे हाईटेक नर्सरी ट्रांसलाकेट ट्री तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही पेड़ों को काटने से बचाने के लिए ट्री–ट्रांसलोकेशन की उन्नत तकनीकी को प्रदेश में भी प्रयोग में लाये जाने का सुझाव दिया। इस अवसर पर वन मंत्री ने उच्चायुक्त से एक पेड़ मां के नाम अभियान तक एक वृक्ष लगाने का अनुरोध किया गया है, जिसको उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए पौधरोपण किया। सुश्री लिंडी कैमरून ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा एक पेड़ मॉ के नाम चलाये जा रहे अभियान की सरहाना की। वन मंत्री ने प्रदेश में चल रहे वृक्षारोपण महाअभियान–2024 के तहत एक दिन में 36.50 करोड़ से अअकि पौधरोपण की सफलता बारे में उच्चायुक्त को अवगत कराया, जिसकी उन्होंने वृहद सराहना किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मनोज सिंह, विशेष कार्याधिकारी सुमति मिश्र उपस्थित रहे।

गुड़िया नहीं, अब गुड्डा–गुंडे पीटने की शुरू हो परम्परा–डाक्टर राजेश मिश्रा

हरदोई(आरएनएस)।वैदिक काल में ष्महिलाओं की स्थिति समाज में काफी ऊँची थी और उन्हें अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी। उस समय महिलाएं शास्त्रार्थ आदि में पुरुषों की तरह भाग लेती थीं। उसके बाद महिलाओं की स्थिति कमजोर होती गयी लेकिन अब वे सशक्त हो रही हैं और विभिन्न क्षेत्रों में नये–नये कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।शहीद उद्यान स्थित कायाकल्पकेन्द्रम् के संस्थापक व प्रख्यात् नेचरोपैथ डॉ० राजेश मिश्र ने कहा कि नागपंचमी को गुड़ियों को पीटने की चली आ रही परम्परा बंद करके गुड्डा और गुंडे पीटने की परम्परा का श्रीगणेश करें।डॉ० मिश्र ने कहा कि नागपंचमी को लड़कियाँ पुराने कपड़ों को साफ करके गुड़िया बनाती हैं और उन्हें सहेलियों के साथ ले जाकर तालाब के किनारे फेंक देती हैं। उन गुड़ियों को लड़के डंडा से पीट–पीटकर मिट्टी में मिला देते हैं। उन्होंने कहा कि गुड़िया ही गुड़िया बनाकर ले जाये और खुशी–खुशी पिटवाये। इससे पीटने–पिटाने के संस्कार पड़ते हैं। उन्होंने कहा छोटी बच्चियों के लिए यह खेल है, यदि उन्हें मना करो तो उनका बाल मन समझता नहीं, क्योंकि संस्कार गहराई में प्रविष्ट हो चुके हैं। कहा ,उनकी माताएं स्वयं उन्हें लेकर जाती हैं।डॉ० मिश्र ने कहा कि लड़कियां शान्ति प्रिय और शिष्ट होती हैं, जबकि अधिकांश लड़कों में उद्दंडता बढ़ रही है। वे बात–बात में गाली बकते हैं, विशेष बात यह कि गाली भी अपने दोस्तों को देते हैं और दोस्त भी गाली बकने–सुनने के इतने अभ्यस्त हो गये हैं, इसलिए वे गालियों को किसी पुरस्कार से कम नहीं समझते।डॉ० मिश्र ने कहा कि इक्कीसवीं सदी की सशक्त महिलाओं को अब गुड़िया नहीं, पुराने कपड़ों के गुड्डा और गुंडे बनाकर लाठी से पीटने की नयी परम्परा प्रारम्भ करनी चाहिए। डॉ० सरल कुमार ने इस त्योहार की परम्परा के बारे में जानकारी देने के साथ कहा कि यह परम्परा बदलनी चाहिए। डॉ० श्रुति दिलीरे और दीपाली ने कहा कि उन्होंने कभी गुड़ियों के इस त्योहार को नहीं मनाया।

कब्रिस्तान की जमीन पर हो रहा अवैध निर्माण दर्जनों प्रार्थना पत्र देने के बाद नहीं हुई सुनवाई

शाहाबाद/हरदोई (आरएनएस)।भूमाफियाओं के कब्जे से सरकारी जमीनें तो नहीं बच पाई थी लेकिन अब भूमाफियाओं ने कब्रिस्तानों की जमीनों पर भी कब्जा करना प्रारंभ कर दिया है लेकिन प्रशासन लाख शिकायतों के बाद भी टस से मस नहीं हो रहा है। शिकायत करने पर कब्रिस्तान के हकदारों को जान माल की धमकियां दबंगों द्वारा दी जा रही हैं।कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बाजार संभा निवासी फुरकान खान पुत्र मोहम्मद नबी का बासित नगर मार्ग पर नाले के किनारे गिगियानी मोहल्ले में पुस्तैनी कब्रिस्तान है। जहां पर उनके दादा और पुरखे दफनाए गए हैं।सड़क के किनारे बेशकीमती जमीन होने की वजह से दबंग की नियत खराब है। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से सांठ गांठ करके इस कब्रिस्तान को कब्जा कर लिया है, और उस पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। फुरकान ने बताया ,पाली थाना क्षेत्र के ग्राम हाजीपुर निवासी शिवपाल पिछले कई वर्षों से गिगियानी मोहल्ले में बेझा चौराहे पर मकान बनाकर रह रहे हैं। उनके मकान के ठीक पीछे उसका पुश्तैनी कब्रिस्तान है। फुरकान के अनुसार, पिछले काफी दिनों से शिवपाल की नियत खराब थी और उसने कई बार कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया परंतु विरोध करने पर कब्जा करने में कामयाब नहीं हो सका। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद उसने पुलिस और स्थानीय नेताओं से सांठगांठ करके उसके कब्रिस्तान पर पहले दीवार खड़ी की और उसके बाद दीवार के अंदर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया। फुरकान के अनुसार वह अपने परिजनों के साथ जब मना करने के लिए गया तो उपरोक्त शिवपाल और उसके आदमी मारपीट एवं दंगा फसाद पर आमदा हो गए। पीड़ित ने प्रभारी निरीक्षक शाहाबाद, क्षेत्राधिकारी शाहाबाद, एसडीएम शाहाबाद, डीएम हरदोई, पुलिस अधीक्षक हरदोई, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, गृह सचिव उत्तर प्रदेश सरकार हर जगह प्रार्थना पत्र दिए परंतु उसके कब्रिस्तान की जमीन को दबंगों से मुक्त नहीं कराया जा सका। प्रार्थी जब भी कब्रिस्तान पर निर्माण का विरोध करता है तो उपरोक्त शिवपाल एवं उसके परिजन जान माल की धमकियां दे रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि इतनी शिकायतें और फरियाद करने के बाद भी जब दबंग कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध निर्माण कर कब्जा कर रहे हैं।पीड़ित को लगातार जान माल का खतरा बना हुआ है।

शहीदों का सम्मान,प्राथमिक कर्तव्य,वीरों का बलिदान हमेशा स्मरणीय–एसडीएम

हरदोई(आरएनएस)।देश के लिए जान न्यौछावर करने वाले शहीदों का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का प्रथम कर्तव्य है। आज हम अपने घरों में महफूज हैं, क्योंकि हमारे वीर सैनिक सरहद पर अपनी जान को हथेली पर रख कर सुरक्षा में तैनात हैं। उक्त विचार एसडीएम शाहाबाद पूनम भास्कर ने करीमनगर तिराहे पर स्वर्गीय शहीद छोटेलाल की प्रतिमा स्थल व परिजन शहीद छोटेलाल के पोता अभिषेक को सम्मानित करते समय कही।

इस दौरान पिहानी बन रेंज अधिकारी नीलम मौर्य,कानूनगौ संजय मिश्रा, पिहानी सदर लेखपाल आशीष बाजपेई, करीमनगर लेखपाल पंकज पाल, दीपक लेखपाल, डिप्टी वन विभाग नरेंद्र कुमार वर्मा, वन दरोगा निष्काम मिश्रा, वन विभाग कर्मी राहुल कुमार, विपिन पाल ,सुधा पाल, करीमनगर प्रधान,समाजसेवी जोगराज सिंह आदि लोग भी इस मौके पर मौजूद रहे। सभी लोगों ने शहीद स्वर्गीय छोटेलाल प्रतिमा स्थल पर पौधारोपण भी किया।एसडीएम ने कहा कि आजादी दिलाने के लिए समूचा राष्ट्र शहीदों का ऋणी रहेगा। अब भारत एक मजबूत राष्ट्र है। वीरों, क्रांतिकारियों के बलिदानों की बदौलत ही देश आजाद हुआ है। हमें हमेशा इस आजादी को बनाए रखना है, चाहे इसके लिए कितना बड़ा बलिदान क्यों ना देना पड़े।वनध रेंज अधिकारी नीलम मौर्य ने कहा कि हम भारत मां के अमर सपूतों को शत–शत नमन करते हैं। चाहे रेगिस्तान में तपती गर्मी हो या सियाचिन की सर्दी, हमारे वीर जवान दिन–रात भारत मां की रक्षा के लिए डटे हुए हैं।

सुपर–30 के आनंद कुमार से सफलता के गुर सीखे सी.एम.एस. छात्रों ने

लखनऊ, 9 अगस्त।सिटी मोन्टेसरी स्कूल के आमन्त्रण पर लखनऊ पधारे विश्व प्रसिद्ध 'सुपर–30' कोचिंग संस्थान के संस्थापक, पद्मश्री श्री आनंद कुमार ने आज सी.एम.एस. छात्रों से व्यापक चर्चा–परिचर्चा की और उन्हें सफलता के मूलमंत्र बताते हुए जोरदार तरीके से उच्च सफलता हेतु प्रेरित किया। सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में आयोजित इस परिचर्चा में छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। हजारों की संख्या में उपस्थित छात्रों ने श्री आनंद कुमार को बड़े ध्यान से सुना व उनके विचारों से आगे बढ़ने की प्रेरणा ली। इस अवसर पर श्री आनंद कुमार ने भी छात्रों को निराश नहीं किया और उनके प्रत्येक सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं को शान्त किया। विदित हो कि बिहार की राजधानी पटना में स्थित 'सुपर–30' कोचिंग संस्थान देश ही नहीं अपितु विश्व का जाना–माना नाम है, जिसने अनेकों गरीब बच्चों को निःशुल्क पढ़ाकर उन्हें विश्व पटलपरप्रतिष्ठित किया है।आर्थिक व सामाजिक तौर पर पिछड़े किन्तु मेधा से भरपूर बच्चों को उच्च सफलता हेतु प्रेरित करने में श्री आनंद कुमार ने अतुलनीय भूमिका निभाई हैजिसके लिए उन्हें पद्मश्री समेत कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

इस अवसर पर श्री आनंद ने सुपर–30 के छात्र रहे अभिषेक राज, शशि नारायन एवं निधि झा का उदाहरण देते हुए समझाया कि प्रतिकूलताओं के बावजूद भी सफलता की बुलन्दियों पर कैसे हासिल किया जा सकता है।इससे पहले, सी. एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने श्री आनंद कुमार का हार्दिक स्वागत किया। डा. गाँधी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सब परमपिता परमात्मा की प्यारी संतान हैं, अतः समाजिक विकास में अपनी प्रतिभा, क्षमता व ऊर्जा का सदुपयोग करें। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. में पधारकर छात्रों से संवाद करने हेतु श्री आनंद कुमार का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस चर्चा–परिचर्चा के माध्यम से छात्र नये विचारों से रूबरू हुए हैं और उनमें आगे बढ़ने व जीवन में उच्च सफलता की ललक जागृत हुई है। इस अवसर पर सुपीरियर प्रिन्सिपल एवं सी.एम.एस. के क्वालिटी एजुकेशन एवं इनोवेशन विभाग की हेड सुश्री सुष्मिता घोष ने भी अपने सारगर्भित संबोधन से छात्रों को प्रेरित किया।

जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी का किया शुभारंभ

सुल्तानपुर(आरएनएस)। विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह ने आज जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी का शुभारंभ किया। कृषि विज्ञान केंद्र के पास आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया। इसके साथ ही वहां किसानों द्वारा लगाए गए स्टाल का उन्होंने निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने किसानों को उन्नत बीज और कृषि यंत्र का वितरण किया गया। वहीं किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने सबसे पहले नाग पंचमी की बधाई दी और कहा सरकार हर समय किसानों के साथ है। किसानों के लिए तमाम योजनाएं चलाई गई है ताकि किसानों को खेती करने में सहूलियत हो सके। इसके साथ ही उन्होंने विभाग को भी निर्देशित किया कि किसानों समय समय पर नई नई तकनीक की जानकारी दी जाए, साथ ही इनकी जो भी समस्याएं हैं उसे तत्काल निस्तारित की जाएं। यहां के बाद विधायक विनोद सिंह दूबेपुर विकास खंड के कंचना गांव पहुंचे। जहां उन्होंने गोपेश्वर महादेव मंदिर में पूजन अर्चन किया। साथ ही सौंदर्यीकरण के कार्य का शिलान्यास किया और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों और मंदिर के महंत का कुशल क्षेम जाना।

सामाजिक सेवा संघ ने कांवरियों को कराया भोजन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के कार्यकर्ताओं ने बैजनाथ धाम दर्जनो की संख्या मे रवाना कांवरियो को बृहस्पतिवार की शाम रेलवे स्टेशन पर बैठाकर सम्मान से भोजन कराया। गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। भोजन वितरण करते हुए मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी ने कहा जरूरतमंदों की मदद से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं है। बृहस्पतिवार की देर रात संस्था अध्यक्ष मेराज अहमद खान की अगुवाई में मदरसा जामिया इस्लामिया के सदर एव मरकज मस्जिद के पेशइमाम मौलाना मुहम्मद उस्मान कासमी ने जरूरतमंदों को भोजन की थाली देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने कहा मरीजो तीमारदारों जरूरतमन्दों भूखें को खाना खिलाना इबादत है महा पुण्य है।बिना भेदभाव के भूखे को खाना, प्यासे को पानी,नंगे बदन को कपड़ा व अन्य जरूरतें पूरी करना बहुत ही नेक काम है तकरीबन सभी मजहब धर्म और इस्लाम भी इसकी भरपूर इजाजत देता है इसके लिए छूट दिया है। उधर रेलवे स्टेशन पर सीनियर टिकट निरीक्षक अमन सिंह द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया।उन्होंने कहां परिस्थितिया चाहे जो हो संस्था के सदस्य अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन कर रहे लोगो की सराहना प्रसंशा किया। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक ने बताया कि भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल सब्जी, रोटी, चावल शामिल किया गया था। मेडिकल कालेज में 283 रेलवे स्टेशन पर 138 कुल 421 जरूरतमन्दों को भोजन परोसा गया। रेलवे स्टेशन पर कावड़ियों का एक जत्था यात्रा में जा रहा था उनको भी श्रद्धा और आदरपूर्वक बैठा कर भरपुर भोजन कराया गया। इस मौके पर प्रदीप श्रीवास्तव, सुहेब सिद्दीकी सत्य प्रकाश वर्मा, सर्वेश सिंह, हाजी मुजतबा अंसारी, हाजीफैज उल्लाह अंसारी सौरभ पाठक आदि ने निःशुल्क भोजन वितरण कार्य मे अपना योगदान किया।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव

घोसी, मऊ(आरएनएस)। राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत "काकोरी ट्रेन एक्शन" कि 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर "एक पेड़ मां के नाम" एवं "हर घर तिरंगा" धारणा को समेटे हुए "काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव" ब्लॉक घोसी अन्तर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरौली में राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त प्रधानाध्यापक डॉ.रामविलास भारती के नेतृत्व में मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों में चित्र कला, निबन्ध एवं मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम खुशबू, द्वितीय साधना, तृतीय रुसुम तो चार्ट प्रतियोगिता में प्रथम अंकिता, द्वितीय प्रियांशु, चंद्रप्रकाश, तृतीय आयुष, समरबीर, अभिनव तथा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सत्यम प्राप्त किया जिन्हें मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार एवं विशिष्ट अतिथि भूतपूर्व सैनिक जय प्रकाश नारायण राय ने शिक्षण सामग्री देकर प्रोत्साहित किया गया। तो वहीं राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त प्रधानाध्यापक डॉ. रामविलास भारती ने पूर्व सैनिक एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी का सम्मान अंगवस्त्र एवं पौध देकर किया गया। तथा सभी द्वारा एक पेड़ मां के नाम पौध रोपण भी किया गया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन ने आजाद भारत का सपना दिखाया और लोग अंग्रेजों के विरुद्ध कंधे से कंधा मिलाकर एक साथ खड़े हुए। उसी प्रकार हमें एक साथ मिलकर देश के लिए खड़ा होना होगा। प्रधानाध्यापक डॉ.रामविलास भारती ने सभी के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतन्त्रता सेनानियों ने देश में समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, न्याय, मानवतावाद के सपनो सजोए हुए अपने को बलिदान किया और देश को आजाद कराया। हम उन्हीं शहीदों की वो भारतीय औलादें हैं जो देश को कभी झुकने नहीं देंगे। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष बदामी, सबाना अंजुम, अंजु, अंजली, पूजा, गुंजा, करिश्मा, रीना, संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु किया प्रोत्साहित

मऊ(आरएनएस)। जिलाधिकारी द्वारा बेसिक शिक्षा अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों में किये जा रहे नवाचार कार्यक्रम के तहत काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को विकास खण्ड परदहांन्गर क्षेत्र के परिषदीय कम्पोजिट विद्यालय सुल्तानपुर बनौरा के प्रधानाध्यापक अजय राय के साथ विद्यालय के 20 बालक व बालिकाओं द्वारा पुलिस अधीक्षक से उनके कार्यालय कक्ष में बाल–संवाद किया गया। पुलिस अधीक्षक से बच्चों द्वारा प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा को प्रगट किया गया, जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा बड़े ही शालीनता से बच्चों के प्रत्येक प्रश्नों का उत्तर दिया गया तथा बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहने के साथ अपनी शिक्षा निरंतर जारी रखने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों को शिक्षा के माध्यम से अपना सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने तथा शिक्षक द्वारा बताये गये अभ्यास कार्य को ठीक प्रकार से करने हेतु सुझाव दिया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बच्चों से बाल संवाद करते हुए प्रश्न पूछा गया तथा बच्चों द्वारा प्रश्नों का सटीक उत्तर दिया गया, जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रसन्न होकर प्रत्येक बच्चों को चॉकलेट वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एलआईयू के समरजीत यादव दारोगा द्वारा बच्चों के संवाद एवं व्यवहार से प्रसन्न होकर पुरस्कृत किया गया। बच्चों के साथ प्रधानाध्यापक अजय राय एवं अरविन्द कुमार अनुदेशक उपस्थित रहे।

फूलन देवी जयंती की पूर्व संध्या पर मोस्ट ने लगाया रक्तदान शिविर

सुलतानपुर(आरएनएस)। पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर मोस्ट कल्याण संस्थान, उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में मोस्ट रक्षक दल के सदस्य लाल बादशाह निषाद के नेतृत्व में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन ब्लड बैंक, जिला अस्पताल सुलतानपुर में किया गया, जिसका उद्घाटन ब्लड बैंक की एसोसिएट प्रोफेसर डा. अमृता यादव द्वारा किया गया।उक्त अवसर पर मुकेश निषाद, प्रेम कुमार निषाद, देवेन्द्र प्रताप, रोहित निषाद, लाल बादशाह निषाद, अमित निषाद, सुनील कुमार निषाद, जितेन्द्र कुमार निषाद, रवि प्रकाश निषाद, रत्नेश निषाद, डा. अनिल कुमार, राम अचल कनौजिया, संतोष कुमार निषाद, अजय कुमार निषाद, उमेन्द्र निषाद, चंद्रभान निषाद, लवकुश यादव, दीपांशु, अम्बेश कुमार निषाद, संजय कुमार निषाद, मनीष निषाद, अर्जुन निषाद, मुन्नालाल निषाद, बब्बन निषाद, नंदलाल बौद्ध, सूबेदार निषाद, बृजेश कुमार निषाद, अंगेश कुमार भारती, एडवोकेट गौरव निषाद, डा. अमरीश वर्मा, पिंटू निषाद, राम अनुज प्रजापति, डा. दिवाकर, सोहन लाल मौर्या, डा. विनोद निषाद, डा. सुरेश यादव, अरविंद निषाद, राम नयन निषाद, सुदीप निषाद, रवि निषाद, कंचन कपूर, आत्माराम निषाद, देवी प्रसाद निषाद, अक्षत यादव ने जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया।उल्लेखनीय है कि गुरू प्रसाद निषाद और हरिकेश निषाद मोस्ट के बैनर तले पहले ही रक्तदान कर दिये हैं। स्वशासी मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डा. सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि विधान परिषद की टीम आने के कारण में मोस्ट द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में प्रतिभाग नही कर सका किन्तु बरसात के मौसम में भी इतनी भारी मात्रा में रक्तदान करना मोस्ट कल्याण संस्थान की लोकप्रियता का प्रमाण है, जिसकी मैं भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूं। रक्तदान करने वालों का मोस्ट कल्याण संस्थान के डायरेक्टर शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरुजी" ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सीएमएस एस.के. गोयल, प्रभारी ब्लड बैंक आर.के. मिश्रा, प्रभारी प्रमुख जीशान अहमद, जनरल सेक्रेटरी राम

उजागिर यादव, मोस्ट फाउंडर संतराम निषाद, प्रदेश सह संयोजक संतोष सोनकर, प्रदेश सह संयोजक अमृतलाल निषाद, प्रदेश कमेटी मनोराम वर्मा, जिला संयोजक राकेश कुमार निषाद, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र निषाद सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अवैध असलहा व कारतूस के साथ थानाध्यक्ष कुड़वार ने तेजा को दबोचा

कुड़वार सुल्तानपुर(आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देश व सीओ नगर शिवम मिश्रा के मार्ग दर्शन में अपराध व अपराधियों पर कार्यवाई को लेकर कुड़वार थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा काफी पसीना बहा रहे है। कुड़वार थाने की कमान संभालते ही श्री वर्मा ने कईयों मामले में खुलासा करते

हुए बरामदगी भी की, कार्यों के प्रति गंभीर रहने वाले कुड़वार एसओ नंबर बढ़ाने के लिए क्षेत्र में हमराहियों के साथ चहलकदमी करते देखे जाते है। लगातार क्षेत्र में पुलिस की चहलकदमी के चलते आमलोगों में अच्छा संदेश और अपराधियों में खबरदार रहने का संकेत स्पष्ट दिखाई रहा है, 9अगस्त को थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा हमराहियों के साथ भ्रमण पर थे तो मुखबिर की सूचना पर देवलपुर तिराहे के पास सुबह 4.55बजे एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोका तो वह भागने लगा। पुलिस ने उसे दौडा कर उसे पकड़ा और उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से एक तमंचा,एक अदद जिंदा कारतूस व एक खोला बरामद हुआ,पुलिस की पूछताछ में उसने अपना नाम विकास सिंह उर्फ तेजा निवासी उत्मानपुर भगवानपुर थाना कुड़वार बताया। पुलिस ने उसका चालन करते हुए उसे जेल भेज दिया, पकड़ने वाली टीम में थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा थाना कुड़वार, उप निरीक्षक राम विलास यादव, मुख्य आरक्षी राम कुमार यादव, आरक्षी आकाश यादव रहे।थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने कहाकि क्षेत्र में अमन–चैन बिगाड़ने वालो को बख्शा नही जाएगा।

आरोग्य भारती की बैठक में बनाई गई कार्ययोजना

मऊ(आरएनएस)। आरोग्य भारती की बैठक डा० मनीष राय के उपस्थित में प्रकाश अस्पताल में शुक्रवार को संपन्न हुई, जिसमे गोरक्ष प्रान्त के गत कार्यक्रमों की समीक्षा और आने वाले कार्यक्रमों की योजना बनाई गई। बैठक में सभी विभागों में विभाग संयोजक की योजना पर विचार–विमर्श हुआ। सभी जिलों में जिला संयोजक तथा समिति बनाने की योजना पर विचार विमर्श हुआ। आरोग्य भारती के सभी आयामों के कार्यक्रम करने की योजना बनाई गई जिसमे विशेषतः विद्यालय प्रबोधन, किशोरी विकास, वन औषधि प्रचार प्रसार, आरोग्य मित्र प्रशिक्षण एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य प्रमुख हैं तथा स्मारिका के प्रकाशन के लिए एक समिति का गठन किया गया तथा आरोग्य भारती के सदस्यों को संख्या बढ़ाने पर एक प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में गोरक्ष प्रान्त के अध्यक्ष डा० डीपी सिंह, संगठन सचिव डा० सुरेन्द्र कुमार सिंह, उपाध्यक्ष डा० राजेन्द्र सिंह, सरंक्षक डा० मनीष राय, सहसचिव डा० जयन्त नाथ, सहसचिव निरुपमा शर्मा, कोषाध्यक्ष डा० ज्वाला प्रसाद मिश्रा, डा० अंजनी कुमार सिंह, डा० अनिल प्रताप, विश्व प्रकाश मिश्र, डा० शशि कान्त सिंह, रत्नेश्वर प्रताप सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशिक्षण में उत्कृष्ट कार्य वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत कर बढ़ाया मनोबल

सुलतानपुर(आरएनएस)। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय सुल्तानपुर में इस समय प्रोन्नत उपनिरीक्षक 244 तथा मुख्य आरक्षी 195 ट्रेनिंग ले रहे हैं। इनको प्रशिक्षण देने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक ट्रेनिंग ब्रजेश कुमार मिश्र ने आज नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक लल्लन सिंह तथा सूबेदार मेजर धनुषधारी भी उपस्थित थे। पुरस्कार पाने वाले पुलिस कर्मचारियों में सहायक उपनिरीक्षक लिपिक रश्मि सिंह, कम्प्यूटर सहायक अमित कुमार तथा राजेंद्र मिश्र तथा आरक्षी रमाकांत मौर्य शामिल हैं।

बांग्लादेश मे हिन्दुओं की निर्मम हत्या पर संत समाज का विरोध

लखनऊ रूबांगलादेश मे हिन्दुओं की निर्मम हत्या पर लखनऊ में संत समाज ने प्रखरता से विरोध किया और आज केडीसिंह बाबू स्टेडियम पर भारी संख्या मे उपस्थित होकर कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमे इस्कॉन मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी लखनऊ के भक्तों के साथ सम्मिलित हुए और बांग्लादेश मे हो रहे बर्बरतापूर्ण कृत्य एवं हिन्दुओं के नरसंहार पर अत्यधिक रोष व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों मे इसकी निंदा की और हम सबको एकजुट रहने का सन्देश दिया ।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' कार्यक्रम का किया गया शुभारम्भ

सुल्तानपुर शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' का शुभारम्भ कार्यक्रम विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में आयोजित किया गया। मा0 सदस्य विधान परिषद शैलेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ0 आर0ए0 वर्मा, जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक, अपना दल जिलाध्यक्ष अविनाश पटेल, सांसद प्रतिनिधि सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राजकीय इण्टर कालेज सुलतानपुर के छात्रों द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर साइकिल रैली निकाली गयी। उक्त साइकिल रैली को विकास भवन के मुख्य गेट से मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर, जिला सूचना अधिकारीपर्यटन सूचना अधिकारी डॉ0 धीरेन्द्र कुमार, राजकीय इण्टर कालेज सुलतानपुर के प्रधानाचार्य, मनोज तिवारी सहित अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे। साइकिल रैली तिकोनिया होते हुए पंत स्टेडियम में समाप्त हुई, वहां पर काकोरी शहीदों के बलिदान से जुड़ी वीर गाथाओं पर आधारित व्याख्यान को पढ़कर सुनाया गया तथा छात्रों को मिष्ठान वितरणध्सूक्ष्म जलपान कराया गया। तत्पश्चात विकास स्थित प्रेरणा सभागार में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 द्वारा लखनऊ से प्रसारित सम्बोधन को एल.ई. डी. स्क्रीन पर सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। तत्पश्चात जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ मा0 जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन द्वारा शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्जन कर किया गया। तत्पश्चात मा. जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी महोदया द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को मोमेन्टो व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय द्वारा उपस्थित समस्त छात्रों व जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगणों को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आलेख पढ़कर सुनाया गया। तत्पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ0 आर0ए0 वर्मा द्वारा अपने सम्बोधन में काकोरी से सम्बन्धित शहीदों की स्मृति में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आधुनिक युवा पीढ़ी को उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रहित में योगदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उन बलिदानियों द्वारा देश की आजादी में अपना सम्पूर्ण योगदान दिया गया, जिससे भारत को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिये। जिलाधिकारी महोदया द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित सभी का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन किया गया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें आजादी के उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से प्रेरणा लेनी चाहिये, जिन्होंने राष्ट्रहित में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह मनाने का मुख्य लक्ष्य हमें अपनी युवा पीढ़ी को उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों से परिचित कराना है, जिससे आज की युवा पीढ़ी प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रहित में अपना बेहतर योगदान दे सके।

हम सबको मिलकर पेड़ पौधे लगाने होंगे तभी जलवायु परिवर्तन में होगा सुधार

मऊ(आरएनएस)। पुरानी तहसील स्थित एक प्लाजा सभागार में जलवायु परिवर्तन विषयक संगोष्ठी आयोजित किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में साथी उत्तर प्रदेश के शशिभूषण सिंह समेत में मुख्य रुप से उप प्रभागीय बन निदेशक रवीमोहन, पर्यावरण विद डाक्टर उमाशंकर सिंह, पूर्णेंदु, बाल कल्याण समिति की कंचन तिवारी, शमीम अब्बासी निदेशक ग्रामीण विकास संस्थान हथिनी, लव कुश विश्वकर्मा अमर शहीद चेतना संस्थान, संजय कुमार मिश्र महिला ग्रामोद्योग सेवा समिति अरविंद मूर्ति आदि वक्ता उपस्थित रहे। जलवायु परिवर्तन विषयक संगोष्ठी में बोलते हुए पानी संरक्षण पूर्णेंदु द्वारा वीडियो फिल्म के माध्यम से बताया गया कि आज हमारे जीवन में आधुनिकता आने से जलवायु पूरी तरह से प्रभावित हो रही हैं जिसे रोकना नही तो आगामी समय में परिणाम भयानक होगा। उप प्रभागीय बन निदेशक रवीमोहन ने कहा की हम सबको मिलकर पेड़ पौधे लगाने होंगे तभी जलवायु परिवर्तन में सुधार होगा इस कार्य को जन अभियान के रुप में चलाना होगा।

I Vijay Jaiswal S/O Shri Mangal Prasad jaiswal resident of 260/43/5 water works road aishbagh have changed my daughter name from Vaishvi Jaiswal to Dishani jaiswal.She will be known as Dishani jaiswal in future.I Vijay Jaiswal father is taking full responsibility for this."Yours faithfully "Vijay Jaiswal"R/O 260/ 43/5 aishbagh water works road Lucknow 226005 (U.P)

संपादकीय

मुक्ति संघर्ष का अपमान

बांग्लादेश में कुछ महीनों से आरक्षण को लेकर छात्रों का असंतोष इतना व्यापक हो गया कि 15 बरसों देश की सत्ता संभालने वाली प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा। अब बांग्लादेश में शासन सेना के हाथ में है। जनवरी, 2024 में हसीना ने लगातार तीसरी बार जनादेश हासिल किया था लेकिन मुख्य विपक्षी दल ने चुनाव का बहिष्कार किया था। चुनावों में धांधली का आरोप लगाया था। इसलिए माना जा रहा है कि चुनाव का बहिष्कार करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी परोक्ष रूप से छात्र असंतोष को हवा दे रहे थे। जाहिर है कि देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने वाली ताकतों से हसीना सरकार को सख्ती से निपटना पड़ा। लेकिन यह सख्ती सरकार के लिए महंगी साबित हुई। जनाक्रोश बढ़ता गया और शेख हसीना के पसंदीदा सेना प्रमुख जनरल वकार–उजा–जमां भी उनकी सरकार को बचा नहीं पाए। हसीना सरकार के पतन से यह मिथक भी टूट गया कि देश का आर्थिक विकास शासनाध्यक्ष की सत्ता को स्थिरता प्रदान करता है। वस्तुतरू हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश आर्थिक विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ लगा रहा था। करीब पचास वर्ष पूर्व जाने–माने अमेरिकी समाज विज्ञानी प्रो. हंटिंगटन और नेल्स ने एक परिकल्पना प्रस्तुत की थी जो आज बांग्लादेश पर सही साबित हो रही है।इन विद्वानों का मत है कि विकासशील देशों में सामाजिक–आर्थिक समानता एवं जनसहभागिता के मध्य संघर्ष होता है। सामाजिक–आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच संतुलन कायम करने में हसीना विफल रहीं।विपक्षी दलों द्वारा आम चुनाव का बहिष्कार, छात्रों के आरक्षण विरोधी आंदोलन को बलपूर्वक दबाना आदि सरकार के दमनकारी कृत्यों के कारण हसीना का पंद्रह वर्षों का शासन अचानक धराशायी हो गया। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जनता 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष के पक्ष और विपक्ष में बंट गई।हसीना का प्रदर्शनकारियों को श्रजाकरय् कहने ने आग में घी का काम किया। रजाकर उन्हें कहा जाता है जो मुक्ति संघर्ष के विरोध में थे। हसीना के कामकाज की आलोचना की जा सकती है, लेकिन वह सेक्युलर नेता थीं। विडंबना है कि देश की नई पीढ़ी मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है।

हसीना का हटना भारत विरोधी ताकतों में मजबूती

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

बांग्लादेश में राजनीति बंद, विरोध, गरीबी और आतंकवाद से बाहर निकल कर विकास के मुद्दे पर आगे बढ़ रही थी, लेकिन शेख हसीना के सत्ता से हटते ही अब वह सफर थम जाने का अंदेशा है।बांग्लादेश की राजनीति में दूसरा बड़ा चेहरा खालिदा जिया हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की यह नेता अब ताकतवर होंगी। खालिदा को जहां कट्टरपंथी ताकतों का समर्थक माना जाता है वहीं हसीना उदार और भारत समर्थक मानी जाती हैं। बांग्लादेश की राजनीति के केंद्र में भारत समर्थन और भारत विरोधा की शक्तियां समानांतर कार्य करती हैं। इस साल बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री हसीना ने सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा था कि अगर उनकी पार्टी चुनाव जीतती है तो भारत के साथ सहयोग जारी रहेगा।यह भी स्पष्ट भी किया गया था कि भारत के साथ भूमि सीमाओं के सीमांकन और परिक्षेत्रों के आदान–प्रदान की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान हो गया है। हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश ने अपने क्षेत्र में उग्रवादियों, अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों और अलगाववादी समूहों की उपस्थिति को रोकने के लिए दृढ़ता दिखाई और इससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में शांति की स्थापना में बड़ी मदद मिली।खालिदा की राजनीति भारत के हितों पर चोट करने वाली और पाकिस्तान के ज्यादा करीब नजर आती है। करीब डेढ़ दशक पहले बीएनपी सरकार के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों को बड़ी मदद मिली। बीएनपी की जमात और इस्लामिक कट्टरपंथियों से पुरानी करीबी है। खालिदा की सहयोगी पार्टी जमात–ए–इस्लामी को देश की सबसे बड़ी इस्लामी राजनीतिक पार्टी माना जाता है। जेआईबी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के गठबंधन का सदस्य रह चुकी है।1971 में स्वतंत्रता युद्ध में इस दल ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। बाद में यह बांग्लादेश के इस्लामीकरण के प्रयास में जुटकर एक सक्रिय दल के रूप में उभरा। जमात–ए–इस्लामी वही संगठन है, जिसने तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जा किए जाने के बाद बांग्लादेश बनेगा अफगानिस्तान जैसे नारे गढ़े हैं। यह इस्लाम के कट्टर और रूढ़िवादी रूप को बांग्लादेश में लाना चाहता है। जमात–ए–इस्लामी का सहयोगी संगठन है हुजी। हरकत–उल–जिहाद–अल इस्लामी बांग्लादेश नामक यह आतंकी संगठन कथित तौर पर ओसामा बिन लादेन को अपना आदर्श मानता रहा है। इस संगठन की मांग है कि बांग्लादेश को इस्लामिक स्टेट में बदल दिया जाए। हुजी–बी का लक्ष्य बांग्लादेश में युद्ध छेड़कर और प्रगतिशील बुद्धिजीवियों की हत्या करके इस्लामी हुकूमत स्थापित करना है।दो दशक पहले भारत के गृह मंत्रालय ने एक दस्तावेज तैयार किया था, जिसका शीषर्क था–पाकिस्तान के वैकल्पिक परोक्ष युद्ध का आधार। इसमें पाकिस्तान द्वारा अपनी विध्वंसात्मक गतिविधियों को तेज करने के लिए चलाए गए नये ऑपरेशन के बारे में उल्लेख था। इस दस्तावेज में खास तौर पर बताया गया था कि पाकिस्तान अपने भारत विरोधी अभियानों के लिए बांग्लादेश को एक नये आधार के रूप में विकसित कर रहा है। इस बात का भी खुलासा था कि पाकिस्तान ने लगभग 200 आतंकवादी प्रशिक्षण कैंपों को पहले ही अपने यहां से हटाकर बांग्लादेश में व्यवस्थित करवा चुका है।भारत और बांग्लादेश के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भू–राजनीतिक संबंधों के कारण हूजी को जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हूजी कार्यकर्ता कथित तौर पर भारत के पूर्वी गलियारे में अक्सर घुसपैठ करते हैं ताकि क्षेत्र के आतंकवादी और विध्वंसक संगठनों के साथ संपर्क बनाए रख सकें। हूजी को भारत में कई स्थानों पर आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार पाया गया है। यह अलकायदा तथा तालिबान मिलिशिया से मजबूत संबंधों के बूते दक्षिण एशिया के कई देशों में कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा दे रहा है। पूर्व सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में मुजाहिदीन के साथ लड़ने के लिए बड़ी संख्या में मुजाहिदीन अफगानिस्तान गए थे। 1990 के दशक में बेगम खालिदा जिया के राजनीतिक दल बीएनपी शासन के दौरान इनमें से बड़ी संख्या में मुजाहिदीन बांग्लादेश लौट आए और अब देश में कट्टरपंथी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। हूजी के असम से भी संबंध हैं। हूजी कथित तौर पर बांग्लादेश में चटगांव पहाड़ी इलाकों में स्थित उल्फा के कुछ शिविरों का प्रबंधन करता है, जो भारतीय राज्य त्रिपुरा की सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश में हुजी को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात–ए–इस्लामी जैसी मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों का संरक्षण प्राप्त है। हरकत–उल–जिहाद–अल–इस्लामी बांग्लादेश अर्थात हूजी देवबंदी समूह है, जो पाकिस्तान स्थित हूजी से संबद्ध है और इसका गठन 17 बांग्लादेशी मुजाहिदीन द्वारा किया गया था। इनका संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से है।करीब चार हजार किमी. लंबी भारत– बांग्लादेश सीमा भौगोलिक और सांस्कृतिक जटिलताओं के कारण भारत के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा संकट रही है।

वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीन कब्जाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी

मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधान विधेयक संसद में पेश करने से एक दिन पहले कहा कि विधेयक लाने का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन और संचालन करना है। विधेयक पेश किए जाने के बाद सरकार ने इसे व्यापक विमर्श और सर्वसम्मति के लिए प्रवर समिति को भेज दिया है। वक्फ और वक्फ की संपत्तियों को लेकर हिंदुस्तान में अक्सर सही–गलत चर्चा होती रहती है। हममें से अधिकांश लोगों ने वक्फ का नाम तो सुना है, लेकिन वह इसके बारे में बहुत कुछ जानते नहीं हैं। वक्फ होता क्या है। किसी मस्जिद या दूसरे धर्मस्थल के वक्फ होने का मतलब क्या है? और क्या मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के संविधान में तब्दीली की कोशिशों का असर मुस्लिम धर्मस्थलों के स्टेटस पर पड़ सकता है? चूंकि भारत में रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद सबसे बड़ा भूस्वामी वक्फ बोर्ड ही है। इसलिए हम इन सारे सवालों का जवाब जानने की कोशिश करेंगे। सबसे पहले यह जान लेना जरूरी है कि भारत में इस्लाम की आमद के साथ वक्फ के उदाहरण मिलने लगे थे। दिल्ली सल्तनत के वक्त से वक्फ संपत्तियों का लिखित जिक्र मिलने लगता है। मुगल शासन काल में क्योंकि ज्यादातर संपत्ति राजा महाराजाओं के पास ही होती थी, इसीलिए प्रायः वही वाकिफ होते, और वक्फ कायम करते जाते। जैसे कई बादशाहों ने मस्जिदें बनवाईं, वो सारी वक्फ हुईं और उनके प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर ही इंतजामिया कमेटियां बनती रहीं।

इसके पश्चात 1947 में आजादी के बाद पूरे देश में पसरी वक्फ संपत्तियों के लिए एक स्ट्रक्चर बनाने की बात उठने लगी। इस तरह 1954 में संसद ने वक्फ एक्ट 1954 पास किया। इसी के नतीजे में वक्फ बोर्ड बना। ये एक ट्रस्ट था, जिसके तहत सारी वक्फ संपत्तियां आ गईं। 1955 में यानी कानून लागू होने के एक साल बाद, इस कानून में संशोधान कर राज्यों के लेवल पर वक्फ बोर्ड बनाने का प्रावधान किया गया। इसके बाद साल 1995 में नया वक्फ बोर्ड एक्ट आया। 2013 में मनमोहन सरकार के समय इसमें कई संशोधन करके इसे पूरी तरह से तानाशाही रूप दे दिया गया। फिलहाल जो व्यवस्था है, वो इन्हीं कानूनों और संशोधानों के तहत चल रही है, इसमें सबसे खतरनाक संशोधन यह था कि वक्फ बोर्ड जिस किसी सम्पति को अपना बता दे तो फिर वह उसकी बिना किसी जांच पड़ताल के हो जाती है और जिसकी सम्पति छीनी जाती है,वह कोर्ट या पुलिस के पास भी अपनी फरियाद लेकर नहीं जा सकता है। प्रायः मुस्लिम धर्मस्थल वक्फ बोर्ड एक्ट के तहत ही आते हैं. लेकिन इसके अपवाद भी हैं। जैसे ये कानून अजमेर शरीफ दरगाह पर लागू नहीं होता। इस दरगाह के प्रबंधन के लिए दरगाह ख्वाजा साहिब एक्ट 1955 बना

हुआ है.वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाने और बेहतर प्रबंधन व पारदर्शिता के लिए मोदी सरकार ने आठ अगस्त 2024 को लोकसभा में दो विधेयक पेश किये। पहले विधेयक के जरिये सरकार मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को समाप्त करने को कटिबद्ध लगती है, जबकि दूसरे से मुसलमान वक्फ अधिनियम 1995 में 44 संशोधन किए जाएंगे। सरकार इस विधेयक में बोहरा–आगाखानी के लिए अलग वक्फ बोर्ड का प्रावधान करेगी और किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने के अधिकार से संबंधित धारा 40 को समाप्त कर देगी।मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक संसद में पेश करने से एक दिन पहले कहा कि विधेयक लाने का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन और संचालन करना है। विधेयक पेश किए जाने के बाद सरकार ने इसे व्यापक विमर्श और सर्वसम्मति के लिए प्रवर समिति को भेज दिया है। दूसरे विधेयक में वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधान, सशक्तिकरण, दक्षता विकास अधिनियम करने का प्रावधान है। इसमें वक्फ बोर्डों के केंद्रीय परिषद और ट्रिब्यूनल की संरचना में व्यापक बदलाव लाने का भी प्रावधान है। मसलन केंद्रीय परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य बनाया जाएगा। इसके अलावा कानून में संशोधन के बाद अब वक्फ ट्रिब्यूनल के आदेश को 90 दिन के अंदर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए सर्वे कमिश्नर का अधिकार अब जिला कलेक्टर या उसके की ओर से नामित डिप्टी कलेक्टर के पास होगा।विधेयक की खास बातों पर नजर डाली जाए तो मोदी सरकार वक्फ अधिनियम, 1923 को वापस लेगी। पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए 44 संशोधन किये जायेंगे। जिसके द्वारा आगाखानी व बोहरा वक्फ को परिभाषित किया जाएगा। पांच साल तक मुस्लिम धर्म का पालन करने वालों की संपत्ति वक्फ हासिल कर सकेगा। वक्फ के धन से विधवा, तलाकशुदा व अनाथों के कल्याण के लिए सरकार के सुझाए तरीके से काम करने होंगे। संपत्ति वक्फ को देने के दौरान उत्तराधिकारियों और महिलाओं के अधिकार नहीं छीने जा सकेंगे। वहीं रजिस्टर्ड वक्फ संपत्तियों को 6 माह में पोर्टल पर डालना होगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले भू राजस्व, सेस, उसका रेट, कर, आय, कोर्ट मामले की जानकारी भी बतानी होगी।सरकारी संपत्ति को वक्फ अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर पाएगावक्फ बोर्ड में जो बदलाव होंगे उसके अनुसार मुसलमान वक्फ कानून 1923 खत्म होगा। वक्फ अधिनियम होगा एकीकृत वक्फ प्रबंधन कानून, धारा 40 होगी खत्म, जिससे किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार मिल जाता है। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार यूपीए–2 में मनमोहन सिंह सरकार ने 2013 में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर वक्फ बोर्ड को किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित करने और वक्फ बोर्ड के निर्णयों को किसी भी कोर्ट में चुनौती देने का अधिकार खत्म करने जैसे बदलाव किए गए थे।दसरकारी सूत्रों के अनुसार तब से मुस्लिम समाज से जुड़े व्यक्तियों व संगठनों की करीब 60 हजार शिकायतें सरकार के पास लंबित हैं। इन सभी शिकायतों में वक्फ बोर्ड में भारी अनियमितता व जबरन संपत्ति पर कब्जा जैसी समान बातें थीं। संशोधन विधेयक में वक्फ परिषद में भी बदलाव का प्रावधान है। मसलन परिषद के अध्यक्ष अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री होंगे।तीन सांसद, मुसलमानों के तीन प्रतिनिधि, मुस्लिम कानून के तीन जानकार, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के दो पूर्व जज, एक वरिष्ठ वकील, देश की चार नामचीन हस्तियां व केंद्र सरकार के अतिरिक्त या संयुक्त स्तर के अधिकारी व दो महिलाएं इसकी सदस्य होंगी। उधर, विपक्षी दलों ने बिल पेश होने से पहले ही सरकार से आग्रह किया कि वक्फ (संशोध

रोगी से पुत्र के समान व्यवहार करने सहित अनेक सिद्वांतों के प्रतिपादक महर्षि चरक के सिद्वांत आज भी हैं प्रासंगिक

चरक जयंती श्रावण शुक्ल नाग पंचमी 2081 संवत इस बार 9 अगस्त 2024 को है। ईसा से लगभग 200 वर्ष पूर्व चिकित्सा ग्रंथ लुप्त हो गए थे । यह पूरे भारतीय जनमानस और विश्व के लोगों के लिए अत्यंत ही संकट का दौर था। जब सारी मानवता त्राहि–त्राहि करने लगी जब सारी धरती के लोग कष्ट से मरने लगे।जब समाज अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगा जैसा कि भगवान ने श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिज्ञा की, जब–जब धर्म की हानि होगी तब तब मैं आऊंगा। जब जब अधर्म रूपी रोगों का साम्राज्य होगा। पाप का साम्राज्य होगा तब– तब मैं प्रकट होउंगा। तब भगवान शेषनाग स्वयं इस धरती पर विचरण करते हुए आये और उन्होंने देखा कि जनता कितने कष्ट में है कितनी दुखी है। उनका हृदय द्रवित हो गया, करुणा से भर उठे और उन्होंने कपिष्ठल नामक गाँव जो कश्मीर में पुंछ के पास स्थित गांव है, वहां पर वेद वेदांग नामक एक वैदिक ब्राह्मण के घर में श्रावण शुक्ल नाग पंचमी के दिन जन्म लिया। शेषनाग का पूज्य दिवस अवतरण दिवस श्वेत वाराह पुराण में स्वयं ब्रह्मदेव ने नाग पंचमी का दिन बताया है। इस कारण से महर्षि चरक के जन्मदिन को हम श्रावण शुक्ल पंचमी नाग पंचमी मनाते हैं। महर्षि चरक ने वेद उपनिषदों का अध्ययन करने के उपरांत आयुर्वेद का अध्ययन प्रारंभ किया। उन्होंने महर्षि पुनर्वसु आत्रेय के द्वारा उपदिष्ट और आचार्य अग्निवेश के द्वारा प्रणीत लिखित ग्रंथ अग्निवेश तंत्र को खोजा। उसके छिन्न–भिन्न अंशों को सहेजा सम्हाल।जो बड़ी मुश्किल से उनको प्राप्त हुए और उस ग्रंथ को अग्निवेश तंत्र को जो कि पूर्ण नहीं था उस समय उसको धीरे–धीरे करके लेखन कार्य प्रारंभ किया। औषधियों का चयन करना, औषधियों के बारे में खोजना,उनका प्रयोग किया। इस प्रकार से चरक संहिता का वर्णन लिखना प्रारंभ किया। जिसमे मानव जीवन रोग चिकित्सा का वर्णन है। सबसे महत्व की बात चिकित्सा जगत में उन्होंने चिकित्सा सिद्धांत दिए। वह अपने आप में अप्रतिम कार्य था ।पूरी मानव सभ्यता, मानव समाज, पृथ्वी उनके उपकार कभी नहीं भूल सकती। ऐसे मनीषी का जन्म भगवान के तुल्य ऐसे सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक का जन्मदिन मनाना हम चिकित्सकों का ही नहीं इस मानव जाति का परम कर्तव्य है। आभार प्रदर्शन है। यह धन्यवाद है ऐसे व्यक्ति के लिए जिन्होंने मानव समाज को इस पूरी धरती को रोगों के भय से दूर किया। चिकित्सा सिद्धांतों की स्थापना की। अथर्ववेद के उपवेद और पंचमवेद आयुर्वेद के आदि चिकित्सक महर्षि चरक को भगवान शेषनाग का अवतार माना जाता है। उनका जन्म ईसा से 200 वर्ष पूर्व कश्मीर में पुंछ के पास कपिष्ठल नामक गांव में हुआ था। श्वेत वाराह पुराण के अनुसार उनका जन्मदिन श्रावण शुक्लपक्ष नागपंचमी (इस बार 9 अगस्त 2024) को मनाया जाता है। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में भगवान शेषनाग के कपाट भी आज ही के दिन खोले जाते हैं। उन्होंने महाभारत काल के पश्चात खण्डित हो चुके कायचिकित्सा(मेडिसिन) के महान ग्रंथ अग्निवेश–तंत्र का प्रतिसंस्कार (पुनर्लेखन) कर चरक–संहिता रूपी कालजयी रचना प्रदान की।बौद्ध धर्म के नास्तिक दर्शन काल में अहिंसा के सिद्धांत के कारण राजव्यवस्था द्वारा वैदिक और शल्य क्रियाओं का निषेध कर दिया गया था। दूसरी तरफ बौद्ध धर्म के ष्स्वभावो परमवादष् के सिद्धांत की आड़ में (यानी शरीर तो स्वभाव से ही बनता बिगड़ता है इसलिए चिकित्सा की क्या आवश्यकता है ऐसा कहकर) वैद्यों के चिकित्सा कार्यों का विरोध किया जाता था। कहा जाता है कि बौद्ध सम्राट बिम्बिसार को भी बवासीर की तकलीफ हुई थी, लेकिन अहिंसा के सिद्धांत के चलते उन्होंने शल्य चिकित्सा को अंगीकार नहीं किया। जिस पर आचार्य जीवक ने एक लेप बनाकर अर्श को ठीक किया था। सम्राट अशोक के बाद चिकित्सा कार्यों पर शासन द्वारा ऐसा प्रतिबंध करीब 50 वर्ष तक रहा, जिसे भारत के मेडिकल–इमरजेंसी का काल कहा जा सकता है। मान्यता है कि ऐसे कालखंड में अनन्त भगवान–शेष छद्म रूप में धरती पर विचरण करने आए। रोगों से पीड़ित मानवता को देखकर करुणावश उनका हृदय द्रवीभूत हो गया और उन्होंने वेद–वेदांग नामक ब्राह्मण के घर जन्म लिया। ऐसे समय में रोगों से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए उन्होंने भारत भर में घूमते हुए चिकित्सा का कार्य और उसका प्रचार किया। इसी कारण ष्चरकात् चरकरूष नित्यप्रति घूमने के कारण उनका नाम चरक पड़ा। उन्होंने ष्आतारू पुत्रवत आचारेत्ष यानी रोगी से पुत्र के समान व्यवहार करने सहित अनेक सिद्धांतों का प्रतिपादन कर चिकित्सक समाज के लिए एक मिशाल कायम की। आचार्य चरक ने आज से 2150 वर्ष पूर्व चरक संहिता का लेखन किया था। चरक संहिता मूल रूप से अग्निवेश तंत्र का ही परिष्कृत ग्रंथ है।पुनर्वसु आत्रेय द्वारा उपदिष्ट सूत्रों को, महर्षि अग्निवेश ने अग्निवेश तंत्र में निबंध किया था। काल क्रम से वह ग्रंथ लुप्त हुआ तथा आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति भी समाज में उपेक्षा हुई। जिसके कारण मानवता और सारा विश्व रोगों से ग्रस्त हुआ। आचार्य चरक ने ऐसे समय में जन्म लेकर और पूरे जीवन भर परिभ्रमण करते हुए चंक्रमण करते हुए, औषधीयों के माध्यम से रोगों की चिकित्सा की और इन चिकित्सा के प्रयोगों को उन्होंने चरक संहिता के ग्रंथ में स्थान दिया। चरक सूत्र स्थान के प्रारंभ में छरू पदार्थों के महत्व को प्रतिपादित किया। सामान्य, विशेष, समवाय, द्रव्य, गुण एवं कर्म के महत्व को प्रतिपादित किया। दिनचर्या का व्याख्यान विस्तार से किया। ऋतु अनुसार हमें क्या भोजन करना चाहिए, कैसे भोजन करना चाहिए, किन दोषों का प्रकोप है कैसे समान है कौन सी व्याधि किस ऋतू में हो सकती हैं इन सब बातों को उन्होंने बताया। वेगों के धारण करने से क्या नुकसान होता है, क्या व्याधियों होती है, सिद्धांत प्रतिपादित महर्षि चरक ने किया। ऐसे विषय जो वैद्य के लिए अनिवार्य हैं ऐसे गुण ऐसे कर्म जो वैद्य को करनी चाहिए,गुण जो धारण करने चाहिए,उन सभी गुणों को आचार्य चरक ने बताया। पंचकर्म चिकित्सा पद्धति जो रोगों को मूल से समाप्त करने वाली है, उस का सिद्धांत प्रतिपादन स्थापित किया जो लुप्त हो चुका था। सर्वश्रेष्ठ औषधियों की गणना,स्रोतसो के बारे में विस्तार से वर्णन शरीर रचना के सिद्धांतों का प्रतिपादन करके मानव जाति केलिए, चिकित्सा शास्त्र के लिए बड़ा अवदान है।निदान स्थान के अंतर्गत ज्वर का निदान रक्तपित्त का निदान का उन्माद अपस्मार और इत्यादि के बारे में विस्तार से वर्णन किया है। बहुत सारे ऐसी गंभीर व्याधियां थी जिसमें उन्होंने व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों का वर्णन किया। महर्षि चरक ने 2000 वर्ष पूर्व जिन सिद्धांतों का प्रतिपादन किया उन सिद्धांतों के आधार पर आज भी चिकित्सा की जाती है। अभी 2 वर्ष पूर्व पूरे विश्व में कोरोना नमक व्याधि का आतंक हुआ था। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी।कोरोना व्याधि की चिकित्सा आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के पास भी नहीं है। परंतु महर्षि चरक के सिद्धांतों के अनुसार कोरोना नामक व्याधि में वात,पित्त और कफ इन तीनों दोषों का सन्निपात होने के कारण से संप्राप्ति होती है।अतरू यदि इन दोषों की समता स्थापित की जाए तो यह रोग दूर हो सकता है। इस सिद्धांत पर कार्य करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा संस्थाओं ने कोरोना के रोगियों की चिकित्सा की और उसमें सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार विभिन्न प्रकार की संक्रामक व्याधियों स्वाइन फ्लू, टाइफाइड,मलेरिया,चिकनगुनिया,जीका वायरस,डेंगू,चांदीपुरा वायरस इत्यादि का महर्षि चरक के त्रिदोष के सिद्धांत के आधार पर चिकित्सा करने से इन समस्त आधुनिक समय में प्राप्त रोगों की चिकित्सा सरलता से होती है।

अतरू यह सिद्ध होता है कि महर्षि चरक के चिकित्सा सिद्धांत और त्रिदोषवाद का सिद्धांत ही सार्वत्रिक,सर्वकालिक सत्य सिद्धांत है।ये सिद्धांत वैज्ञानिक है और स्वीकार करने योग्य है।ऐसे महापुरुष जिन्होंने इतने हजारों वर्ष पूर्व इस प्रकार के वैज्ञानिक चिकित्सा सिद्धांतों की प्रस्तुति देकर मानवता को और विश्व को हमेशा हमेशा के लिए रोगों से मुक्त होने का एक सूत्र दिया,उनका स्मरण करना उनका प्रातरू स्मरण करना हमारा कर्तव्य है।महर्षि चरक ने ही रसायन प्रकरण में च्यवनप्राश का उल्लेख किया है च्यवनप्राश एक ऐसा रसायन है जिसका सेवन करने से व्यक्ति को जरा नामक व्याधि नहीं होती है।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई– बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह भी दूर होगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज अपने कॉन्टैक्ट्स के जरीये आपको बिजनेस संबंधी अच्छी जानकारियां मिलेंगी। मार्केटिंग संबंधी काम स्थगित रखें। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को एक्स्ट्रा जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृष राशि–

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। घर परिवार में चल रहे लड़ाई झगड़े को आप किसी बाहरी व्यक्ति के सामने ना आने दें। पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा। आज आपके काम करने की क्षमता में बेहतरीन बदलाव होगा।

मिथुन राशि

आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। आज किसी खास काम को लेकर कोशिश कर रहे हैं तो सफलता मिल सकती है।

कर्क राशि

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। संतान के साथ कुछ विवाद होने की संभावना बन रही है,आप उन्हें समझनें की कोशिश करें। आज परिवारिक गतिविधियों में ही व्यस्तता रहेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर करने की कोशिश सफल रहेगी।

सिंह राशि

आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। संतान पक्ष से कोई खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। विरोधी पक्ष आपके सामने नतमस्तक होगा आपका सोशल नेटवर्क मजबूत बनेगा। आज आपके रूटीन में कुछ बदलाव होगा। आज आप जोखिम लेने में पीछे नहीं हटेंगे।

कन्या राशि

आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आज समय अनुकूल है, लेकिन मेहनत के अच्छे नतीजे हासिल करने के लिए कर्म प्रधान होना पड़ेगा। आज प्रॉपर्टी खरीदने–बेचने की योजना बनाई है तो वो पूरी हो सकती है। आज परिवार में तालमेल रहेगा।

तुला राशि

आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनओ को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आज दोस्तों के साथ मेल मुलाकात होगी।

वृश्चिक राशि

आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। मिलजुल कर किये गए कार्यो में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी। निवेश के मामलें में आपको घर के बड़ों से कोई नई सलाह मिलेगी। आज घर के बड़े लोगों के मार्गदर्शन में पिछले कुछ समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। नया व्हीकल खरीदने की योजना बना रहे हैं,

धनु राशि

आज नए कार्यों करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे, आपकी कोशिशों में कुछ न कुछ कमी आ सकती है।

मकर राशि

आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको कोई नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

कुंभ राशि

आजका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन–धान्य में बढ़ोतरी होगी।

मीन राशि

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा।

हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया के जवाब दे रहे थे। संयुक्त राष्ट्र । बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा, ''यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए। निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।''

वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे। सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की ''सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया'' की आशाओं का उल्लेख

किया और कहा, ''हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं। शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या फोन पर बात की है? तो हक ने कहा कि गुतारेस ने उनसे बात नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। हक ने कहा, ''निश्चित रूप से, वह और देश की टीम सक्रिय तौर पर यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन शांतिपूर्ण हो।'' पिछले कुछ सप्ताहों में बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच का हिस्सा बनने के लिए संयुक्त राष्ट्र से किए गए अनुरोध पर हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र गौर करेगा कि गठित होने वाली किसी भी नयी सरकार से उसे किस प्रकार का औपचारिक अनुरोध ा प्राप्त होता है।

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। ढाका । बांग्लादेश में लोगों ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नयी अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक

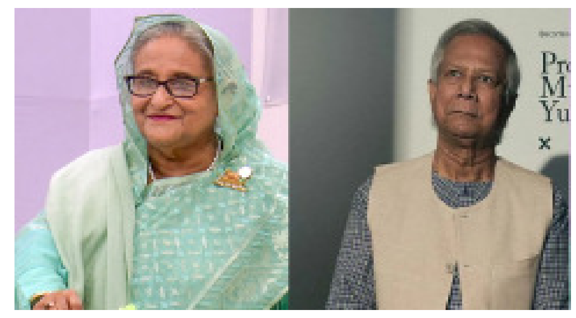

हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है। शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं। यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत–ए–इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल हैं। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है। डेली स्टार समाचार पत्र ने अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण के बाद चौधरी के हवाले से कहा, ''दूसरा काम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।'' प्रख्यात विधिवेत्ता कमाल हुसैन ने कहा, ''जो परिवर्तन हुआ है उसका सभी ने स्वागत किया है.

नेपाल में हवाई अड्डे से पांच भारतीय गिरफ्तार, लाखों रुपये बरामद

पुलिस ने बताया कि उनके पास से 24 लाख नेपाली रुपए बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।नेपाल में बृहस्पतिवार को पांच भारतीयों को बिना कोई स्रोत बताए लाखों नेपाली रुपये ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रकाश नारायण गुप्ता (44), अजय मिश्रा (43), आशीष गुप्ता (45), बिमल गुप्ता (46) और पंकज जायसवाल (39)को पश्चिमी नेपाल के नेपालगंज नगर पालिका के रांझा हवाई अड्डे से सुरक्षा जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने ब ताया कि वे सभी भारतीय नागरिक हैं और इस दौरान काठमांडू जाने वाले विमान में सवार होने वाले थे। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 24 लाख नेपाली रुपए बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रंप और हैरिस 10 सितंबर को राष्ट्रपति पद की चुनावी बहस में भाग लेने पर सहमत एबीसी

अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था। अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए सहमति व्यक्त की है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों का आमना–सामना होगा।अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क 'अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' (एबीसी) ने यह जानकारी दी। इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है।उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

शेख हसीना की बेटी को कौन रोक रहा है अपनी मां से मिलने से ? क्या भारत की तरफ से है कोई पाबंदी या मामला ही कुछ और है

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजिद ने कहा कि वह अपने देश में लोगों की जान जाने से,साथ ही ऐसे कठिन समय में अपनी मां को देख नहीं पाने से, उन्हें गले नहीं लगा पाने से बेहद दुखी हैं। बांग्लादेश में छात्रों के सरकार विरोधी–प्रदर्शनों के कारण हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ने के बाद भारत में शरण ली।बांग्लादेश में 5 अगस्त को हुए हिंसा और पीएम आवास गण भवन की ओर बढ़ती भीड़ के बाद सेना से मिले 45 मिनट के वक्त के बीच शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा देते हुए ढाका छोड़ दिया। उन्होंने शरण के लिए भारत को चुना और गाजियाबाद का हिंडन एयरबेस उनका नया ठिकाना बना है। शेख हसीना की अनिश्चितता को लेकर उनका परिवार भी टेंशन में नजर आ रहा है। दिल्ली में रह रही उनकी बेटी बांग्लादेश में हुई हिंसा और मां के देश छोड़ने पर अफसोस जाहिर किया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजिद ने कहा कि वह अपने देश में लोगों की जान जाने से,साथ ही ऐसे कठिन समय में अपनी मां को देख नहीं पाने से, उन्हें गले नहीं लगा पाने से बेहद दुखी हैं। बांग्लादेश में छात्रों के सरकार विरोधी–प्रदर्शनों के कारण हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ने के बाद भारत में शरण ली। भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्रों की मानें तो भारत की तरफ से ऐसी कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने ऑफ द रिकॉर्ड कहा कि हमारी तरफ से कोई रोक नहीं लगाई गई है। अब बेटी सोशल मीडिया के जरिए अफसोस जता रही है। लेकिन क्या मां उनसे मिलना चाहती है? बता दें कि शेख हसीना की बेटी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जिस बांग्लादेश से मैं प्यार करती हूं वहां लोगों की जान जाने से मेरा दिल टूट गया है। इस कठिन समय में अपनी मां को देख नहीं सकती, उन्हें गले नहीं लगा सकती। इस बात से मैं बेहद दुखी हूं। मैं आरडी के तौर पर अपनी भूमिका निभाती

रहूंगी। वाजिद दक्षिण–पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय निदेशक हैं। बांग्लादेश विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के खिलाफ कई हफ्तों से जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच, पिछले 15 साल से सत्ता में रहीं शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने और देश छोड़कर चले जाने के कारण अभूतपूर्व राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मंगलवार को संसद भंग की दी और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर शपथ लेंगे। इससे पहले बुधवार को उन्होंने सभी से "शांति कायम करने" और.

"हर प्रकार की हिंसा से बचने" की अपील की। वहीं दूसरी ओर प्राधिकारी कानून–व्यवस्था पर नियंत्रण करने में जुटे हैं। शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद देश के सुरक्षा महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है।

सेना प्रमुख जनरल वकार–उज–जमां ने बुधवार को घोषणा की कि अंतरिम सरकार बृहस्पतिवार को रात करीब आठ बजे शपथ लेगी।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पहली बार ट्रंप बोलेंगे, फ्लोरिडा में करेंगे प्रेस कान्फ्रेंस

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि वह गुरुवार को अपने फ्लोरिडा समुद्रतटीय परिसर, मार–ए–लागो में एक नया सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को उनके चल रहे साथी के रूप में चुने जाने के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति होगी। ट्रम्प ने दोपहर 2 बजे घोषणा की। म्क्ज ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर इवेंट किया और पोस्ट किया कि वह हैरिस से बहस करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने 10 सितंबर को होने वाली एबीसी न्यूज बहस से हटने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति पद की बहस के बारे में एक घोषणा की थी। ट्रम्प ने कहा था कि वह पसंद करेंगे कि फॉक्स न्यूज बहस को प्रायोजित करे, लेकिन बुधवार को एबीसी पर पुनर्विचार करने की इच्छा दिखा रहे थे। डेमोक्रेट जो बिडेन और हिलेरी क्लिंटन का जिक्र करते हुए उन्होंने ट्रुथ सोशल पर कहा कि मैं बहस के दौरान कमला को उसी तरह बेनकाब करूंगा जैसे मैंने बहस के दौरान क्रुक्ड जो, हिलेरी और बाकी सभी को बेनकाब किया था। केवल मुझे लगता है कि कमला आसान होगी। ट्रम्प के चल रहे साथी, ओहियो सीनेटर जेडी वेंस ने बिडेन द्वारा अपने

राष्ट्रपति पद के पुनर्मिलन अभियान से अलग हटने और व्हाइट हाउस में अपना अभियान शुरू करने के बाद से समाचार सम्मेलन आयोजित नहीं करने या साक्षात्कार के लिए नहीं बैठने के लिए हैरिस की आलोचना की है। हैरिस कभी–कभी प्रचार अभियान के लिए अपने विमान में चढ़ते या निकलते समय चिल्लाए गए सवालों के जवाब देती हैं।

शेख हसीना की वतन वापसी पर बेटे सजीब ने लिया यू–टर्न, बताया कब लौटेंगी बांग्लादेश

जॉय ने यह भी कहा कि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि शेख हसीना ष्सेवानिवृत्त या सक्रियष राजनेता के रूप में बांग्लादेश लौटेंगी या नहीं। जॉय की यह टिप्पणी उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने एक टीवी समाचार चौनल से बात करते हुए कहा था कि हसीना बांग्लादेश नहीं लौटेंगी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह बांग्लादेश लौट

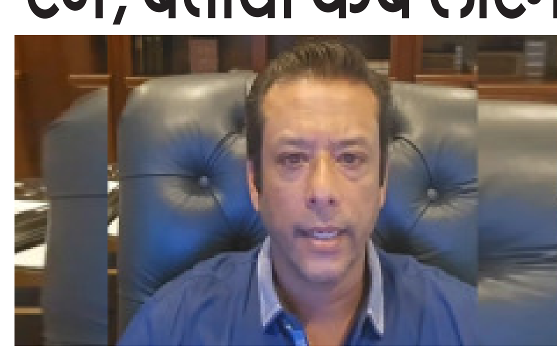

आएंगी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की यात्रा योजनाओं पर अनिश्चितता के बीच, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल होते ही 76 वर्षीय नेता देश में वापस आ जाएंगी। जॉय ने यह भी कहा कि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि शेख हसीना सेवानिवृत्त या सक्रिय राजनेता के रूप में बांग्लादेश लौटेंगी या नहीं। जॉय की यह टिप्पणी उनके उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने एक टीवी समाचार चौनल से बात करते हुए कहा था कि हसीना बांग्लादेश नहीं लौटेंगी।उन्होंने कहा कि हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी। लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हो रहे हमलों के बाद पिछले दो दिनों में बहुत कुछ बदल गया है। अब हम अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जो भी करना होगा वह करेंगेय हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ने जा रहे हैं। अवामी लीग बांग्लादेश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते। लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह निश्चित रूप से बांग्लादेश लौट आएंगी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री अपने इस्तीफे के बाद एक सैन्य विमान से भारत भाग गईं और सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के पास हिंडन एयरबेस पर उतरीं। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने एचटी को बताया कि उसे एयरबेस से एक अनिर्दिष्ट सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

7.1 की तीव्रता वाले भूकंप से दहला जापान, सुनामी की चेतावनी

मॉल के अंदर के फुटेज में दुकानों में लटके कपड़े तेजी से लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूकंप के झटके आते ही सड़कों पर कारें हिलती देखी गईं, जिससे निवासियों में अफरा–तफरी और डर बढ़ गया।संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, गुरुवार को दक्षिणी जापान में 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। स्थानीय मौसम विज्ञान एजेंसी ने तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। पूरे क्षेत्र में भूकंप के प्रभाव को दर्शाने वाले कई वीडियो सामने आए हैं। मॉल के अंदर के फुटेज में दुकानों में लटके कपड़े तेजी से लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भूकंप के झटके आते ही सड़कों पर कारें हिलती देखी गईं, जिससे निवासियों में अफरा–तफरी और डर बढ़ गया।इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी

तट पर लगभग 30 किलोमीटर (18.6 मील) की गहराई में था। भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किये गये। एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। जापान के एनएचके टेलीविजन ने कहा कि भूकंप के केंद्र के निकट मियाजाकी हवाई अड्डे पर खिड़कियों के टूटने की खबरें हैं। परमाणु विनियमन प्राधिकरण ने कहा कि क्यूशू और शिकोकू पर स्थित सभी 12 परमाणु रिएक्टर सुरक्षित हैं, जिनमें से तीन वर्तमान में संचालित हैं। मार्च 2011 में आये भीषण भूकंप और सुनामी के बाद से फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद से परमाणु ऊर्जा संयंत्रों वाले क्षेत्रों में भूकंप एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। जापान के

उत्तर–मध्य क्षेत्र नोटो में एक जनवरी को आए भूकंप में 240 से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

हुती ने गिराया ड्रोन, अमेरिका ने सीधा हमला ही बोल दिया

अमेरिकी दावे पर एक बयान में कहा कि ये हथियार अमेरिका और गठबंधन की सेनाओं और क्षेत्र में आतंकवादियों के लिए एक स्पष्ट और असमान खतरा प्रस्तुत करते हैं। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सैन्य बलों ने पिछले 24 घंटों में हौथी–नियंत्रित यमन में ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें दो ड्रोन, एक हूती ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और तीन एंटी–शिप क्रूज मिसाइलें नष्ट कर दी हैं। इससे पहले, ईरान–गठबंधन हूती आंदोलन ने कहा था कि उसने बुधवार को लाल सागर में एक कंटेनर जहाज और अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों पर हमला किया था। ब्छज्ब्ड ने अमेरिकी दावे पर एक बयान में कहा, ष्ये हथियार अमेरिका और गठबंधन की सेनाओं और क्षेत्र में आतंकवादियों के लिए एक स्पष्ट और असमान खतरा प्रस्तुत करते हैं।इसने कहा कि हौथियों के इस ष्लापरवाह और खतरनाक व्यवहारष से क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा है, लेकिन इसने कोई और विवरण नहीं दिया और इसकी पुष्टि नहीं की कि किसी भी अमेरिकी जहाज पर हमला किया गया था। ब्छज्ब्ड अमेरिकी सैन्य कमान है जो मध्य पूर्व को कवर करती है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या साड़ी ने पहले कहा था कि हौथी वायु सेना ने बुधवार को अमेरिकी विध्वंसक कोल के खिलाफ ड्रोन लॉन्च किए थे और अमेरिकी विध्वंसक लैबून पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। उन्होंने कहा, लाइबेरिया के ध्वज वाले कंटेनर जहाज कॉन्टशिप ओनो को भी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। एथेंस में कॉन्शिप्स प्रबंधन ने रॉयटर्स को बताया कि जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ है और उसके चालक दल सुरक्षित हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हौथिस के इस दावे की पुष्टि करने के लिए कोई डेटा या जानकारी नहीं है कि दो युद्धपोतों पर हमला किया गया था।

कप 2024 की मेजबानी को लेकर बीसबी ने सेना प्रमुख को लिखा पत्र, नहीं छोड़ी वर्ल्ड कप की मेजबानी की उम्मीद

महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अभी भी उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। टूर्नामेंट 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है। इस बीच आईसीसी बांग्लादेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उसने मेजबानी के विकल्पों पर भी विचार किया है। टूर्नामेंट को शिफ्ट करना पड़ता है तो बांग्लादेश के टाइम जोन वाले देश में इसे करान के संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी आवश्यकता के अनुरूप है।

भारत में हो सकता है महिला टी20 वर्ल्ड कप, आईसीसी जल्द कर सकता है फैसला

अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट की मेजबानी ले ली जाती है तो इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं होगा। देश में लंबे समय से कर्फ्यू है, इंटरनेट बंद होने के साथ–साथ दंगे, आगजनी और हिंसा हो रही है। आईसीसी एक सप्ताह में फैसला ले सकता है। अन्य विकल्पों में भारत एक मजबूत दावेदार है। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन बांग्लादेश में होना था, लेकिन बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रमों ने आईसीसी को असमंजस में डाल दिया है। देश में आंतरिक अशांति ने अक्टूबर में होने वाले वैश्विक आयोजन की सुरक्षा को लेकर आईसीसी मुख्यालय दुबई में चिंता बढ़ा दी है। वहीं क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट की मेजबानी ले ली जाती है तो इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं होगा। देश में लंबे समय से कर्फ्यू है, इंटरनेट बंद होने के साथ–साथ दंगे, आगजनी और हिंसा हो रही है। आईसीसी एक सप्ताह में फैसला ले सकता है। अन्य विकल्पों में भारत एक मजबूत दावेदार है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने और देश छोड़ने के बाद आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा कि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड उनकी सुरक्षा एजेंसियों और अपने स्वतंत्र सुरक्षा सलाहकारों के साथ समन्वय में आईसीसी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। हमारी प्राथमिकता सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और भलाई है। साथ ही दस टीमों को 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश के ढाका में शेरे बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 18 दिनों में 23 मैच खेलने हैं। लेकिन मौजूदा हालात को देखकर टूर्नामेंट का आयोजन मुश्किल लग रहा है। आईसीसी टूर्नामेंट के लिए बांग्लादेश के टाइम जोन वाला देश चुन सकता है। भारत के अलावा यूएई और श्रीलंका भी इस आवश्यकता को पूरा करते हैं।

गोल्डन ब्वाय' को मिला 'सिल्वर', पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक रिकार्ड के साथ स्वर्ण

नदीम को हांगझोउ एशियाई खेलों में नीरज से प्रतिस्पर्धा करनी थी लेकिन आखिरी मौके पर चोट के कारण उन्होंने नाम वापिस ले लिया। नीरज ने उन्हें 2018 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में हराया था। चौम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नये रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली। 26 वर्ष के नीरज का दूसरा थ्रो ही उनका एकमात्र वैध थ्रो रहा जिसमें उन्होंने 89 . 45 मीटर फेंका जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। इसके अलावा उनके पांचों प्रयास फाउल रहे। उन्होंने तोक्यो में 87 . 58 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता था। वहीं नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92 . 97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91 . 79 मीटर का लगाया।पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक

के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है। इससे पहले दस मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था। पिछला ओलंपिक रिकॉर्ड नॉर्वे के आंद्रियास टी के नाम था जिन्होंने 2008 में बीजिंग खेलों में 90 . 57 मीटर का थ्रो फेंका था।ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88 . 54 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक और फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) और बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू (2016 और 2021) यह कारनामा कर चुके हैं।नदीम को हांगझोउ एशियाई खेलों में नीरज से प्रतिस्पर्धा करनी थी लेकिन आखिरी मौके पर चोट के कारण उन्होंने नाम वापिस ले लिया। नीरज ने उन्हें 2018 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में हराया था।

आस्ट्रेलिया दौरे में दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगा भारत

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि भारतीय टीम 30 नवंबर से कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। यह 1991–92 के बाद पहला अवसर होगा जबकि इन दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि भारतीय टीम 30 नवंबर से कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास

मैच खेलेगी। भारतीय टीम की एडिलेड में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच की तैयारी में मदद करने के लिए यह अभ्यास मैच कार्यक्रम में जोड़ा गया है। भारत ने 2020–21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी एक दिन रात्रि टेस्ट मैच खेला था।

मुंबई के लिए बुची बाबू टूर्नामेंट का एक मैच खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं।भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार

यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु–दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है। मुंबई क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, ''सूर्यकुमार मुंबई के लिए दूसरा मैच खेलेंगे। वह भारत के लिए सभी तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं और वह जब भी वह फ्री रहते हैं तो मुंबई के लिए उपलब्ध रहे हैं। वह रणजी ट्राफी के अलावा बुची बाबू, केएससीए (गोल्ड कप) में खेलेंगे ताकि टीम के युवाओं कों प्रेरित कर सकें।

2024 की मेजबानी को लेकर बीसीबी ने सेना प्रमुख को लिखा पत्र, नहीं छोड़ी वर्ल्ड कप की मेजबानी की उम्मीद

महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अभी भी उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच देश की अंतरिम सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। इस बीच बोर्ड ने गुरुवार को बांग्लादेश के आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वकर–उज–जमान को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजिन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। टूर्नामेंट 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू

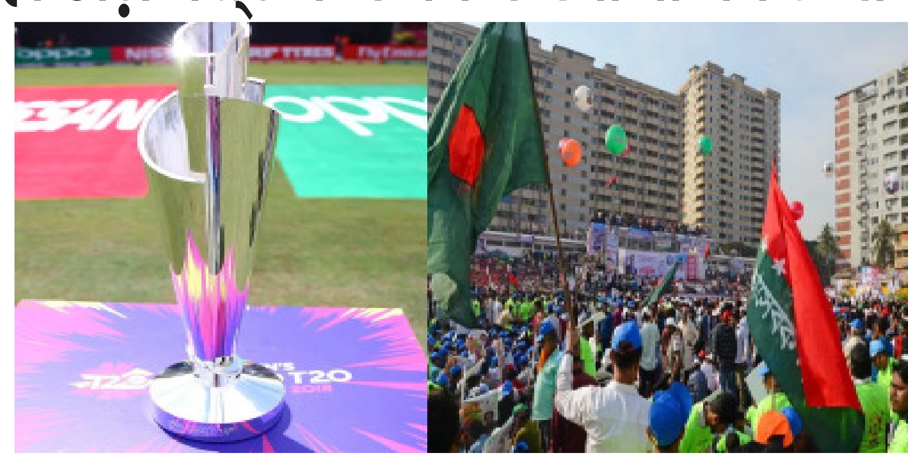

होने वाला है। इस बीच आईसीसी बांग्लादेश की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उसने मेजबानी के विकल्पों पर भी विचार किया है। टूर्नामेंट को शिफ्ट करना पड़ता है तो बांग्लादेश के टाइम जोन वाले देश में इसे करान के संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी आवश्यकता के अनुरूप है।वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गुरुवार को नए चुनाव होने तक देश चलाने के लिए नियुक्त किया गया। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देशश छोड़ने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन को भी बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे हसीना की पार्टी अवामी लगी के सासंद हैं। हालांकि, बोर्ड के कुछ अन्य पदाधिकारी ढाका में ही हैं और इस बड़े आयोजन की मेजबानी को लेकर उम्मीद बनाए हुए हैं। बीसीबी के अंपायर कमिटी के चेयरमैन इफ्तेखार अहमद मिठू ने क्रिकबज से कहा है

कि, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो देश में हमारे बीच बहुत ज्यादा लोग मौजूद नहीं हैं। हमने सेना प्रमुख को महिला टी20 वर्ल्ड कप को लेकर सुरक्षा के बारे में आश्वासन के लिए एक पक्ष भेजा है क्योंकि हमारे पास सिर्फ दो महीने बचे हैं।

कलाई में हमेशा रहता है दर्द तो हो सकता है ये सिंड्रोम, भूलकर भी ना करें नजरअंदाज

अगर हाथ और कलाई में लगातार बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है तो अनदेखा न करें, क्योंकि यह कार्पल टनल सिंड्रोम हो सकता है. इसमें कलाई में कार्पल टनल यानी नसों पर दबाव पड़ने से नसों में सूजन आ जाती है, जिससे दर्द बहुत ज्यादा होता है. इसमें कलाई से बांह तक जाने वाली किसी नस में दबाव पड़ सकती है. इसकी वजह से हाथों में दर्द के अलावा कलाई में झुनझुनी और हाथ से काम करने में समस्या हो सकती है. आइए जानें आखिर कार्पल टनल सिंड्रोम क्या होता है और इसके क्या–क्या खतरे हैं... कार्पल टनल सिंड्रोम के क्या–क्या लक्षण हैं कार्पल टनल सिंड्रोम होने पर कई लक्षण नजर आ सकते हैं. इनमें कलाई और हाथ में दर्द खासकर रात में दर्द बढ़ सकता है. इसके अलावा सुन्नपन और झनझनाहट,हाथों में कमजोरी, चीजों को पकड़ने में समस्या हो सकती है, उंगलियों में कमजोरी हो सकती है.

कार्पल टनल सिंड्रोम के कारण हाथों और कलाइयों में तेज दर्द होता है. यह सिंड्रोम पुरुषों की तुलना में महिलाओं में तीन गुना अधिक बार होता है. अक्सर यह समस्या 30 साल के बाद या गर्भावस्था के दौरान और बच्चे के जन्म के बाद शुरू होती है. लेकिन कई बार ऐसा एक हाथ का ज्यादा इस्तेमाल करने, कंप्यूटर या लैपटॉप पर उंगलियां चलाने या हाथ की खराब स्थिति के कारण होता है कार्पल टनल सिंड्रोम क्यों होता है जो लोग हाथ से काम ज्यादा करते हैं, उनमें इस तरह की समस्या देखने को मिलती है. जैसे टाइप करना, लिखाना और कंप्यूटर माउस का ज्यादा इस्तेमाल, सिलाई करने वालों में इस तरह की समस्या हो सकती है. इससे मांसपेशियों में परेशानियां, हड्डियों का डिसऑर्डर और डायबिटीज के जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, वरना कई तरह की तकलीफें बढ़ सकती हैं. कार्पल टनल सिंड्रोम का खतरा बढ़ाने वाली बीमारियां

सोशल मीडिया पर सोफिया अंसारी का हर अंदाज फैंस को बनाता है दीवाना

मॉडलिंग की दुनिया की पॉपुलर सेलिब्रिटी सोफिया अंसारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोफिया अंसारी अक्सर अपनी सिजलिंग फोटोज शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी का अंदाज देखकर उनके फैंस आहें भरने पर मजबूर हो जाते हैं। सोफिया अंसारी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही उनके तमाम चाहने वाले फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस पर जमकर प्यार बरसाते हैं। सोफिया अंसारी का ग्लैमरस अंदाज अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। यहां पर आप सोफिया अंसारी की फोटोज देख सकते हैं।सोफिया अंसारी इंस्टाग्राम अकाउंट पर अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी की अधिकतर तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखने को मिलता है।सोफिया अंसारी ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनकर अपना प्यार अंदाज दिखाकर फैंस का ध्यान खींचा। सोफिया अंसारी की प्यारी स्माइल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।सोफिया अंसारी अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का

एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। सोफिया अंसारी का बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाता है।सोफिया अंसारी अलग–अलग तरह की रिवीलिंग ड्रेस पहनकर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी की एक–एक तस्वीर देखकर फैंस आहें भरने पर मजबूर हो जाते हैं।

सोफिया अंसारी अक्सर ब्लैक ड्रेस पहनकर फोटोशूट करवाती हैं। इसके बाद सोफिया अंसारी की तस्वीरें बुलेट की स्पीड से सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं।सोफिया अंसारी ने व्हाइट कलर का ऑफ शोल्डर टॉप पहना है। इसके साथ ही सोफिया अंसारी का कातिलाना अंदाज उनके तमाम चाहने वाले फैंस को घायल कर गया।

सोफिया अंसारी की इंस्टाग्राम अकाउंट पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। सोफिया अंसारी को उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 12 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।सोफिया अंसारी की ज्यादा फैन फॉलोइंग के चलते उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती हैं। सोफिया अंसारी के फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।सोफिया अंसारी अपने ग्लैमरस फोटोज शेयर करने के अलावा वीडियोज भी शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी अपने वीडियो में भी बोल्डनेस का तड़का लगाती हैं। डायबिटीज रुमेटॉइड आर्थराइटिसमोटापाकिडनी फेलियरकार्पल टनल सिंड्रोम में क्या करें1. कंप्यूटर–लैपटॉप पर काम करते वक्त या कोई अन्य काम करते समय कलाई सीधी पोजिशन में रखें.2. लगातार काम न करें, हाथों को ब्रेक दें, लगातार टाइपिंग या रिपिटेटिव मोशन के दौरान हाथों को रेस्ट दें.3. कलाई को सपोर्ट देने के लिए ब्रेस का यूज करना चाहिए.

प्रभास की कल्कि 2898 एडी ने शाहरुख की जवान को पछाड़ा, सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी भारतीय फिल्म बनी

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे सितारों से सजी फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. जिसके साथ ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की और कई फिल्मों के रिकॉर्ड्स तोड़े. अब कल्कि ने शाहरुख खान की जवान को भी कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है और यह अब भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी फिल्म बन गई है. आइए जानते हैं कितनी है कल्कि की कमाई. प्रभास की कल्कि ने रिलीज के 40 वें दिन शाहरुख की जवान को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है और बाहुबली 2, केजीएफ 2 और आरआरआर के बाद यह चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है. जवान का लाइफटाइम कलेक्शन 640.25 करोड़ है. ट्रेड मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ने सभी भाषाओं में 640.38 करोड़ का आंकड़ा छूकर जवान को पीछे छोड़ दिया है. अब कल्कि नेट और ग्रोस कलेक्शन दोनों में आगे है.अपने पहले हफ्ते में प्रभास की कल्कि 2898 एडी ने 414.85 करोड़ रुपए कमाए. वहीं दूसरे हफ्ते में 128.5 करोड़ रुपए, तीसरे हफ्ते में 56.1 करोड़ रुपए, चौथे हफ्ते में 24.4 करोड़ रुपए और पांचवें हफ्ते में 12.1 करोड़ रुपए की कमाई की. वहीं इस सोमवार की 50 लाख की कमाई के साथ ही फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 640.15 हो गया. आने वाले हफ्तों में कल्कि का 15 अगस्त को स्त्री 2, वेदा और खेल खेल में जैसी फिल्मों से कॉम्पिटिशन देखने को मिलेगा वहीं फिलहाल इसके सामने डेडपुल और वॉल्वरिन है.कल्कि में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे कलाकार हैं. इसमें एसएस राजामौली, दुलकर सलमान, मृणाल ठाकुर और विजय देवराकोंडा के खास कैमियो भी है.

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 का रोमांटिक गाना तुम्हारे ही रहेंगे हम हुआ रिलीज

अमर कौशिक की निर्देशित आगामी हॉरर–कॉमेडी ड्रामा स्त्री 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं. फैंस श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी को एक बार फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं, मेकर्स फैंस और दर्शकों का उत्साह बनाए रखने के लिए स्त्री 2 का नया सॉन्ग तुम्हारे ही रहेंगे हम रिलीज किया है. यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है.श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर स्त्री 2 का नया रोमांटिक सॉन्ग की झलक शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, इंतजार हुआ है खत्म क्योंकि तुम्हारे थे, तुम्हारे हैं, तुम्हारे ही रहेंगे हम. तुम्हारे ही रहेंगे हम आउट. इस स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2024 को लौटेगी स्त्री 2. गाने में स्त्री और विक्की के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री को बहुत ही खूबसूरती के साथ दिखाया गया है. गाने में स्त्री के पहले भाग की भी झलक देखने को मिला है.

इस गाने को वरुण जैन, शिल्पा राव और सचिन–जिगर ने गाए गए. इस ट्रैक में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने अपनी खूबसूरती से चार चांद लगा दिए हैं. सचिन–जिगर ने म्यूजिक दिया है, जबकि अमिताभ भट्टाचार्य ने दिल को छू लेने वाले बोल दिए हैं. इससे पहले मेकर्स ने दो गाने आई नहीं और आज की रात लॉन्च किए, जो ट्रेंडिंग में बने हुए हैं.गाने से पहले मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया.

पोस्टर पर फैंस को याद दिलाते हुए लिखा है, स्त्री 2 के रिलीज होने में सिर्फ 10 दिन बाकी है. वहीं, पोस्ट के कैप्शन में डेविल इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, आतंक से होगा सामना, सिर्फ 10 दिन बाद. कमर कस लो और तैयार हो जाओ. स्त्री 2, इस स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2024 को लौट रही है. स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है. हॉरर–कॉमेडी ड्रामा में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना अहम भूमिका में है. यह फिल्म 2018 की स्त्री का सीक्वल है. फिलहाल स्त्री 2 इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है.।

मिस्टर बच्चन की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, थंगलान-डबल इस्मार्ट से होगी रवि तेजा की टक्कर

साउथ के मास महाराजा रवि तेजा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने इस इंतजार पर विराम लगा दिया है और फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान कर दिया है। अजय देवगन की रेड का तेलुगु रूपांतरण मिस्टर बच्चन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी। निर्माताओं और रवि तेजा ने इसकी घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर भी साझा किया। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री ने लिखा, वक्त पे पहुचनेका अपना पुराना आदत है। मिस्टर बच्चन की 15 अगस्त को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। 14 अगस्त को सभी जगह विशेष प्रीमियर होगा। बड़े पर्दे पर जबरदस्त मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए।यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी।यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित और टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित है। फिल्म में रवि तेजा के साथ भाग्यश्री बोरसे और सुभलेखा सुधाकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कहानी भारतीय उद्योगपति सरदार इंदर सिंह पर एक नाटकीय आयकर छापे के इर्द–गिर्द घूमती है।

बाक्स आफिस पर अजय देवगन-तब्बू की जोड़ी हुई फेल, उलझ का भी बुरा हाल!

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर स्टारर उलझ ने एक साथ पर्दे पर दस्तक दी है. दोनों फिल्में 2 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज हुईं. हालांकि ना तो औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर कोई दम दिखा पा रही है और ना उलझ ही अपना जलवा दिखाने में कामयाब रही है. महज चार दिन में ही दोनों फिल्में करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए जद्दोजहद करती दिख रही हैं.सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो औरों में कहां दम था ने पहले दिन 1.85 करोड़ से भारतीय बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था. वीकेंड पर फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ और दूसरे दिन फिल्म ने 2.15 करोड़ और तीसरे दिन 2.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी. वहीं अब चौथे दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं.औरों में कहां दम था ने शुरुआती आंकड़ों में चौथे दिन अब तक महज 1 करोड़ रुपए कमाए हैं. इस तरह अजय देवगन और तब्बू की फिल्म के चार दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.75 करोड़ रुपए हो गया है.जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ उनकी इस साल की दूसरी फिल्म है. इससे पहले ने मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आई थीं. उनकी ये फिल्म तो दर्शकों को पसंद आई थी लेकिन उलझ फैंस का दिल जीतने में नाकाम दिख रही है.पहले दिन महज 1.15 करोड़ रुपए की ओपनिंग करने वाली फिल्म उलझ ने दूसरे दिन भी 1.75 करोड़ का ही कलेक्शन किया था. तीसरे दिन फिल्म ने 2 करोड़ रुपए का बिजनेस किया. वहीं अब चौथे दिन फिल्म की कमाई बेहद कम हो गई है.

मुंबई में 24 अगस्त को लाइव संगीत शो वर्ल्ड आफ स्त्री में परफार्म करेंगी अमृता खानविलकर

शाला, कट्यार कलजत घुसाली और राजी जैसी मराठी फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर प्रसिद्ध अभिनेत्री अमृता खानविलकर मुंबई में होने वाले अपने लाइव बहुप्रतीक्षित संगीत शो वर्ल्ड ऑफ स्त्री के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।आगामी 24 अगस्त को आयोजित होने वाले इस शो में शास्त्रीय और अर्ध–शास्त्रीय संगीत तथा नृत्य का आकर्षक मिश्रण देखने को मिलेगा।अमृता ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर आगामी संगीत शो का एक टीजर शेयर किया।उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, हम अपने बहुप्रतीक्षित प्रोडक्शन, वर्ल्ड ऑफ स्त्री की एक झलक साझा करने के लिए रोमांचित हैं जिसका प्रीमियर 24 अगस्त को होगा।वर्ल्ड ऑफ स्त्री में अमृता के साथ नृत्य गुरु आशीष पाटिल और 10 नर्तकियों की एक टीम है।शो के बारे में अमृता ने कहा, नृत्य हमेशा से मेरा जुनून रहा है। इस नृत्य–संगीत नाटक को जीवंत करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। आशीष पाटि, अर्थ एनजीओ और कथक नर्तकियों की एक अत्यधिक कुशल टीम के साथ सहयोग करना एक समृद्ध अनुभव रहा है।अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस शो का उद्देश्य शास्त्रीय नृत्य शैलियों का जश्न मनाने के साथ सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना है। इसमें महिलाओं के बहुमुखी पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।लाइव प्रदर्शन के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए अमृता ने कहा, मैं हमेशा लाइव दर्शकों की ऊर्जा से आकर्षित रही हूं। संगीत और नृत्य शो की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, मैं वर्ल्ड ऑफ स्त्री को मंच पर लाते हुए रोमांचित हूं। हमारा लक्ष्य आश्चर्यजनक दृश्यों, भावपूर्ण संगीत और मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करना और उन्हें मंत्रमुग्ध करना है।डेढ़ घंटे का लाइव ऑडियो–विजुअल मंचन मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से भक्ति,

सौंदर्य और गतिशील ऊर्जा की थीम पर आधारित है। अर्थ एनजीओ और आशीष पाटिल के सहयोग से अमृतकला स्टूडियो द्वारा निर्मित, वर्ल्ड ऑफ स्त्री का प्रीमियर 24 अगस्त को मुंबई के नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट में होने वाला है।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देगी कमल हासन की इंडियन 2, 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 पिछले महीने जुलाई में रिलीज हुई थी. इसका डायरेक्शन शंकर ने किया था. कमल हासन की श्इंडियन 2च को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स रिव्यूज मिले थे. यही वजह थी कि फिल्म उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं कर पाई. अब ये फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है. जानिए श्इंडियन 2च कब और किस ओटीटी पर दस्तक देगी. कमल हासन की श्इंडियन 2च सिनेमाघरों के बाद डिजिटल रिलीज के लिए तैयार है. यह मूवी नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी. नेटफ्लिक्स इंडिया के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी गई है, जिसके मुताबिक श्इंडियन 2च इसी महीने यानी अगस्त की 9 तारीख से स्ट्रीम होगी. फिलहाल फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज हो रही है. हिंदी भाषा में इंडियन 2 कब रिलीज होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कमल हासन की एक्शन–थ्रिलर इंडियन 2च देशभर में सिर्फ 81 करोड़ रुपये का बिजनेस कर पाई है. वहीं, दुनियाभर में फिल्म की टोटल कमाई सिर्फ 148 करोड़ हुई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्इंडियन 2च को बनाने में मेकर्स ने 250 करोड़ रुपये खर्च किए थे. इस तरह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत भी नहीं वसूल पाई.श्इंडियन 2च साल 1996 में रिलीज हुई कमल हासन की ब्लॉकबस्टर फिल्म इंडियनत्र का सीक्वल है. फिल्म का निर्देशन शंकर ने ही किया था. इंडियन में कमल हासन के अलावा मनीषा कोइराला और उर्मिला मातोंडकर नजर आई थीं. मूवी में कमल हासन ने डबल रोल निभाया था. यह साल 1996 की हाईएस्ट ग्रोसिंग फिल्म साबित हुई थी. वर्क फ्रंट की बात करें तो श्इंडियन 2च से पहले कमल हासन फिल्म श्कल्कि 2898 एडीच में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने विलेन सुप्रीम यास्किन की भूमिका निभाई थी. अब कमल हासन श्ठग लाइफच में दिखेंगे, जिसे फेमस फिल्ममेकर मणिरत्नम बना रहे हैं. फिल्म से

कमल हासन का लुक सामने आ चुका है, जिसे खूब पसंद किया गया. ठग लाइफ इस साल के आखिर में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है.

सुबह हर 10–15 मिनट पर बजता है अलार्म तो बदल लें अपनी आदत, वरना होगा ये नुकसान

भागदौड़ भरी जिंदगी में चौन की नींद ले पाना काफी मुश्किल है. हर पल दिमाग में कुछ न कुछ चलता रहता है, जो नींद को पूरी तरह डिस्टर्ब करता है. सोने और जागने का शेड्यूल बिगड़ने से सेहत बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. आजकल ज्यादातर लोग देर रात सोते हैं और फिर उन्हें सुबह जल्दी उठना पड़ता है. वे कई बार अलार्म लगाकर सोते हैं, ताकि सुबह जल्दी उठ सकें और ऑफिस टाइम पर जा सकें. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए. डॉक्टर्स का कहना है कि सुबह स्नूज बटन दबाने से बचने के लिए बहुत से लोग 10–15 मिनट के गैप पर अलार्टम सेट कर देते हैं. ऐसा करने से सेहत बिगड़ सकती है. इससे दिनभर सुस्ती और थकान बनी रह सकती है.सुबह बार–बार अलार्म लगाने से क्या नुकसानबहुत से लोग सुबह 10–15 मिनट के गैप पर 3–4 अलार्म यानी मल्टीपल अलार्म लगाते हैं. अमेरिका के न्यूरोलॉजिस्ट बैंडन पीटर्स के अनुसार, कई बार अलार्म लगाकर उठना और फिर झपकी लेना उस वक्त भले ही अच्छा लग सकता है लेकिन इससे नींद का पैटर्न और क्वालिटी बिगड़ सकता है. इससे दिमाग कमजोर हो सकता है. इतना ही नहीं इससे पूरे दिन एनर्जी लो लगती रहती है.एक से ज्यादा अलार्म क्यों खतरनाकअधिकतर लोग नींद के आखिरी घंटों में स्लीप साइकल के आखिरी स्टेज में होते हैं, जिसे रैपिड आई मूवमेंट स्लीप भी कहते हैं. नींद में आरईएम याददाश्त और क्रिएटिविटी के लिए बेहद जरूरी होता है. लेकिन जब बार–बार अलार्म बजता है तो नींद में खलल पड़ती है और दिमाग की एक्टिविटी प्रभावित हो सकती है. इसलिए हमेशा सिर्फ एक ही अलार्म लगाना चाहिए, ताकि सुबह उठने तक नींद बिना रुकावट पूरी हो.हो सकते हैं कई तरह के डिसऑर्डर एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुबह जागने के लिए एक ही अलार्म काफी होता है. हर किसी को अपनी सोने की आदतों को मॉनिटर करना चाहिए. हमेशा एक ही समय पर सोना और जागना चाहिए. सुबह अलार्म से बार–बार नींद प्रभावित होने पर इससे जुड़े डिसऑर्डर हो सकते हैं. जिसकी वजह से उठने के बाद स्लो रिस्पांस, अस्थायी कम याददाश्त और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है.इसकी वजह से पूरा दिन सुस्ती में गुजर सकता है और कई बीमारियां शरीर को घेर सकती हैं. आलस आने से किसी काम में मन नहीं लगता है और कॉन्फिडेंस भी लूज होता है. इतना ही नहीं इससे दूसरों के सामने इंप्रेशन भी बिगड़ता है.

स्पेशल स्क्रीनिंग, जानें सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने क्यों लिया जजों को फिल्म दिखाने का फैसला

किरण राव द्वारा निर्देशित नवीनतम फिल्म लापता लेडीज सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों, उनके परिवारों और रजिस्ट्री के अधिकारियों के लिए दिखाई जाएगी। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित यह फिल्म लैंगिक समानता के विषय पर आधारित है। किरण राव द्वारा निर्देशित नवीनतम फिल्म लापता लेडीज सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों, उनके परिवारों और रजिस्ट्री के अधिकारियों के लिए दिखाई जाएगी। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित यह फिल्म लैंगिक समानता के विषय पर आधारित है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रशासनिक अनुभाग द्वारा प्रसारित एक संचार के अनुसार, प्रसिद्ध अभिनेता और निर्माता आमिर खान और फिल्म की निर्देशक किरण राव भी स्क्रीनिंग के दौरान मौजूद रहेंगी। इसे भी पढ़ेंरू राम मंदिर निर्माण के लिए 3 करोड़ दान करने के बाद, अक्षय कुमार ने हाजी अली जीर्णोद्धार के लिए 1.21 करोड़ रुपये दान किए संचार में कहा गया है, ष्भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के पचहत्तरवें वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों के हिस्से के रूप में, लैंगिक समानता के विषय पर आधारित फिल्म लापता लेडीज शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024 को प्रशासनिक भवन परिसर के सी–ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में दिखाई जाएगी। कार्यक्रम के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अपने जीवनसाथी के साथ फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए पहुंचेंगे। फिल्म शाम 4रू15 बजे से शाम 6रू20 बजे तक दिखाई जाएगी। फिल्म के लिए रजिस्ट्री के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। फिल्म लापता लेडीज के बारे में जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज का निर्देशन किरण राव ने किया है और इसका निर्माण आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं।

ओलंपिक में रचा इतिहास, एलओसी में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंटेंट क्रिएटर!

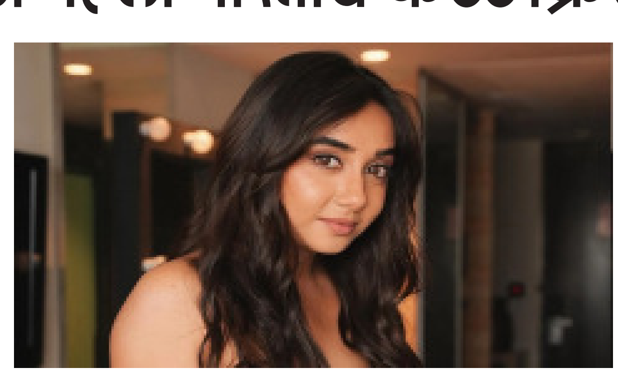

अभूतपूर्व सहयोग में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एलओसी) ने अपनी अभिनव पहल, लेट्स मूव के लिए एक अग्रणी भारतीय कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और जलवायु कार्यकर्ता प्राजक्ता कोली के साथ हाथ मिलाया है। अभूतपूर्व सहयोग में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एलओसी) ने अपनी अभिनव पहल, लेट्स मूव के लिए एक अग्रणी भारतीय कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और जलवायु कार्यकर्ता प्राजक्ता कोली के साथ हाथ मिलाया है। यह साझेदारी न केवल कोली के करियर में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करती है, बल्कि उन्हें 2024 में प्ठब के साथ साझेदारी करने वाली पहली भारतीय कंटेंट क्रिएटर और एकमात्र भारतीय गैर–खेल सेलिब्रिटी के रूप में भी स्थापित करती है। 10 अगस्त, 2024 को, कोली ओलंपिक खेलों के दौरान एक अनूठी 10 किमी की नाइट रन मैराथन पोर टूस में भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में हजारों धावक पेरिस की सड़कों पर उतरेंगे, जो ओलंपिक इतिहास में पहली सामूहिक भागीदारी वाली दौड़ प्रतियोगिता होगी। इस महत्वपूर्ण अवसर में कोली की भागीदारी खेल भावना, समानता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है दृ एक संदेश जिसे वह अपने 17 मिलियन से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म मोस्टलीसेन पर अपनी आकर्षक और दिलचस्प सामग्री के लिए मशहूर प्राजक्ता इस नए अध्याय को लेकर रोमांचित हैं। यह सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय प्रतिनिधित्व के लिए एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा, ष्मैं ओलंपिक से जुड़कर बेहद रोमांचित हूं।

``काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव`` जनपद में धूम–धाम से मनाया गया

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की दिलायी शपथ

सोनभद्र(आरएनएस)। काकोरी ट्रेन एक्शन के शुभारम्भ एवं वीरों को नमन कार्यक्रम के अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्रीयोगी आदित्य नाथ के सम्बोधन का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्या, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) सहदेव कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) सुभाष चन्द्र यादव, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान सहित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण, आपदा मित्र एवं जनमानस ने सजीव प्रसारण कार्यक्रम को देखा।इसके पश्चात विधायक घोरावल डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर के गॉधी उद्यान में पौध रोपण भी किये, इस दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व में रोपित किये गये पौधों को संरक्षित करने की अपील जनमानस से की। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर व विकास भवन में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह के नेतृत्व में काकोरी ट्रेन एक्शन के शुभारम्भ एवं वीरों को नमन कार्यक्रम के अवसर पर विशेष स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0) ने कलेक्ट्रेट परिसर में झाड़ू लगाकर व झाड़ियों की कटान कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किये। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी, स्वच्छता की शपथ दिलाते समय उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता के प्रति सजग रहना सबकी जिम्मेदारी बनती है,

प्रत्येक व्यक्ति को सप्ताह में दो घण्टे श्रम अवश्व करना चाहिए, स्वच्छता सबसे पहले स्वयं से, परिवार मोहल्ले से, गांव और कार्य स्थल से शुरू की जाती है, प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए और अपने दिनचर्या में स्वच्छता को शामिल करना चाहिए, स्वच्छता रहने पर लोग कई बीमारियों से अपने को सुरक्षित रखते हैं। ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' के शुभारंभ के अवसर पर ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अश्वनी कुमार व विद्यालयों में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभातफेरी जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में निकाली गयी, देश भक्ति गीत, खोल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शहीद स्मारक स्थल पर साफ–सफाई व पौध रोपण भी किया गया। कलेक्ट्रेट व विकास भवन परिसर में स्वच्छता अभियान के दौरान जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, परियोजना निदेशक आर0एस0 मौर्या, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी श्री रामलाल यादव सहित अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

दुद्धी कस्बे की इस सड़क की हालात, जगह–जगह गड्ढे में जमा पानी दुर्घटना को दे रहा दावत, जिम्मेदार मौन

दुद्धी,सोनभद्र(आरएनएस)। दुद्धी कस्बे की बस स्टैंड से मल्देवा जाने वाली सड़क जगह–जगह गड्ढे में तब्दील हो गई हैं जिससे बरसात की पानी जगह–जगह गड्ढे में भर जाने से राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। यह मार्ग फुटकर सब्जी मंडी,डीसीएफ, जीआईसी, डिग्री कॉलेज तथा एक तरफ मल्देवा गाँव को भी जोड़ती हैं। नगरवासी श्याम सुंदर, धीरू, आशीष सहित अन्य नगरवासियों का कहना हैं कि दुद्धी मुख्यालय की कई गलियां एवं सड़कें इन दिनों गांव जैसा नजर आ रहा है। दुद्धी कस्बे की मल्देवा मार्ग, कल्याण मंडप मार्ग, प्राचीन शिवाजी तालाब से अमवार रोड, स्वीपर बस्ती महावीर स्कूल से जेम्स स्कूल मार्ग सहित अन्य सड़कें इन दिनों किसी गांव से कम नहीं। बल्कि यूं कहें, गांव की सड़कें बल्कि इससे बेहतर होंगी, जबकि हर रोज इन्हीं सड़कों पर जनप्रतिनिधि एवं अन्य जिम्मेदार चलते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। फजीहत तो पैदल राहगीरों या दो पहिया वालों का है। क्योंकि गड्ढे में जमा पानी से बाइक चालक कभी कभी धोखा खा जा रहें हैं तो पैदल चलने वालों पर भीड़ किचड़ पड़ जा रही हैं जिससे वाहन चालकों और राहगीरों में कई बार तू तू–मे मे तक हो जा रही हैं। लेकिन वे अपना दुखड़ा किससे कहें। जनप्रतिनिधियों को कोई फर्क पड़ता नहीं क्योंकि इधर बीच कोई चुनाव नहीं है और अधिकारी भी निश्चिंत हैं।

विनेश फोगाट के साथ नहीं बल्कि देश के साथ साजिश है– अंशुमन

कुश्ती की खिलाड़ी विनेश फोगाट के साथ हुए साजिश के विरोध मे कांग्रेसियों ने सौंपा राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन

प्रयागराज (आरएनएस)। आज महानगर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन के नेतृत्व में ओलम्पिक में कुश्ती की महान खिलाड़ी विनेश फोगाट के साथ हुए साजिश के विरोध मे जिला मुख्यालय पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज के माध्यम से दिया गया। प्रदीप अंशुमन ने कहा कि ये केवल विनेश फोगाट के खिलाफ साजिश नहीं है बल्कि देश के मान और सम्मान के खिलाफ साजिश है। जब ओलम्पिक में कुश्ती की प्रतिस्पर्धा में विनेश फोगाट ने सेमी फाइनल जीत लिया तो क्या कारण है भारत से गए अधिकारियों ने ओलम्पिक संघ से समय लेकर विनेश के मात्र 100 ग्राम वजन को कम किया। यदि विनेश के बाल ही कटवा दिए होते तो उसका 100 ग्राम वजन कम हो जाता और आज भारत की झोली में एक कुश्ती का स्वर्ण पदक आ जाता। यदि ऐसा भी नहीं कर पाए तो विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक था तो उनको क्यों भेजा गया यदि न भेजते तो भी रजत पदक तो मिल ही जाता। इससे ऐसा लगता है की विनेश फोगाट के साथ घोर साजिश की गई जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और जो दोषी हों उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नही तो कांग्रेस पार्टी विनेश को न्याय दिलाने के लिए बृहद आंदोलन करेगी।इस कार्यक्रम प्रमुख रुप से प्रदीप मिश्र अंशुमन, अरुण तिवारी, राजेश राकेश, लल्लन पटेल, प्रवीण सिंह भोले, विनय पांडेय, विवेक पांडेय, इस्तियाक अहमद, मानस शुक्ला, अशोक सिंह, अनूप त्रिपाठी, राम मनोरथ सरोज,रजनीश विश्राम दास, राज कुमार शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, इरशाद उल्ला, सौरभ चौधरी, अब्दुल कलाम आजाद, कामेश्वर सोनकर, शुभम शुक्ला, रमेश यादव, प्रदीप वर्मा, अभय सरोज, अल्तमश, काजी जावेद आलम, रिजवाना बेगम, प्रतिमा त्रिपाठी, जमाल अख्तर आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पत्रकारिता और साहित्य बंद आवाजों को बुलंद करता है- प्रो धनंजय चोपड़ा

प्रयागराज (आरएनएस)। भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस के अवसर पर 8अगस्त 1942 के अवसर पर जगत तारन डिग्री गर्ल्स कॉलेज के हिन्दी विभाग द्वारा स्वतंत्रता आन्दोलन, हिन्दी पत्रकारिता और प्रतिबन्धन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमे विशिष्ट वक्ता प्रो. धनंजय चोपड़ा समन्वयक मीडिया अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने आजादी की लडाई और पत्रकारिता में नेहरू, मालवीय, भगतसिंह, गणेशशंकर विद्यार्थी आदि विशिष्ट पत्रकारों के द्वारा निकाले गये अखबारों के बारे में विशेष जानकारी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता और साहित्य जहाँ आवाज बन्द हो जाती है, वहा आवाजों को बुलन्द करती है। इसी क्रम में उन्होंने काकोरी काण्ड 9 अगस्त 1925 में घटी घटनाओं से भी अवगत कराया। और उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में स्वराज, अभ्युदय, चांद, मतवाला, सुधा आदि पत्रिकाओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। नन्दगोपाल चोपड़ा के संघर्षो एवं उनके कालापानी की सजा को ,कि किस प्रकार से स्वराज पत्रिका के संपादन के कारण उन्हें सजा भोगनी पड़ी इसका भी जिक्र किया। अखबार एवं पत्रकारिता के विषय में उन्होंने अकबर इलाहाबादी की कुछ पंक्तियों को भी व्यक्त किया ष्खीचों न कमानों को न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तो अखबार निकालोष। इस कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो आशिमा घोष ने विशिष्ठ वक्ता का स्वागत किया एवं छात्राओं को अपने उद्बोधन से उद्घ्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अंशुघ्माला मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रतनघ्कुघ्मारी वर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में प्रोः नन्दनी मुखर्जी, डॉ. प्रमा द्विवेदी, डॉ. ऐश्वर्या , डॉ अजिता ओझा एवं शोध छात्रों सहित अनेक छात्राए उपस्थित रही।

सपा का संविधान मान स्तम्भ शहर पहुंचा

जिला एवं महानगर कार्यालय में होगी स्थापना

प्रयागराज (आरएनएस)। देश के संविधान की महत्ता और इसके संरक्षण के लिये प्रतिबद्धता दर्शाने के उद्देश्य से सपा के जिला एवं महानगर कार्यालय में "संविधान मान स्तम्भ" की स्थापना की जाएगी। प्रतीक चिन्ह के रूप में "संविधान मान स्तम्भ" की स्थापना सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में गत 26 जुलाई को पार्टी कार्यालय लखनऊ में करने के बाद अब सपा प्रदेश के सभी जिला एवं महानगर कार्यालयों में कर रही है।वर्ष 1902 में कोल्हापुर के शासक राजर्षि शाहूजी महराज ने ज्योतिबा फुले महराज की प्रेरणा से 26 जुलाई को अपने राज्य में पिछड़ों को सत्ता एवं प्रशासन में 50ः आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की अवधारणा को पुष्ट किया था। इस दिन को यादगार बनाने और सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना , आरक्षण पूरी तरह से लागू कराने, महिलाओं की सुरक्षा, किसानों, नौजवानों सहित आम आदमी के हितों से सम्बंधित मुद्दों के संघर्ष में संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों को याद दिलाने के लिये संविधान मान स्तम्भ प्रतीकात्मक प्रेरणा श्रोत होगा। सपा के जिला मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर के अनुसार "संविधान मान स्तम्भ " प्रदेश कार्यालय से रिसीव होकर जिला एवं महानगर कार्यालय में आ चुका है। लगभग 5 फिट ऊँचे इस स्तम्भ को बनाने में लकड़ी, फाइबर और शीशे का उपयोग हुआ है। इसके ऊपर संविधान की पुस्तक रखी गई है।आगामी 10 अगस्त को जिला कार्यालय जार्ज टाउन में एवं 11 अगस्त को महानगर कार्यालय में इसकी स्थापना की जाएगी। ष्संविधान मान स्तम्भ" की स्थापना के उपरांत पूरे जिले में गोष्ठियां आयोजित की जाएगी। आगामी 11 अगस्त को शहर पश्चिमी के मुंडेरा में स्थित एक गेस्ट हॉउस में आयोजित स्थापना एवं संगोष्ठी को सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करेंगे। वही आगामी 17 अगस्त को गंगापार क्षेत्र के फूलपुर में आयोजित संगोष्ठी में सपा के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व मंत्री, विधायक इंद्रजीत सरोज मुख्य अतिथि होंगे। यमुनापार के कोराव में 18 को, मेजा में 22 को, बारा में 25 को एवं करछना विधानसभा में 31अगस्त को आयोजित संविधान मान स्तम्भ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी डॉ मानसिंह यादव मौजूद रहेंगे।आज पार्टी कार्यालय में इसकी रुपरेखा एवं तैयारियों को लेकर हुई बैठक में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार पप्पू लाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व विधायक मुजतबा सिद्दीकी, रविन्द्र यादव, अमरनाथ सिंह मौर्य, वजीर खां, डॉ राजेश, दान बहादुर मधुर, राम अवध पाल, आर. एन. यादव, सचिन श्रीवास्तव, जगदीश यादव, ओ पी पाल, कुलदीप यादव, शकील अहमद, नाटे चौधरी, शांति प्रकाश पटेल, तारिक सईद अज्जू, भोला यादव, लल्लन पटेल,आदि मौजूद रहे।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया परिचालन नियंत्रण केंद्र -डीएफसी का निरीक्षण

प्रयागराज (आरएनएस)। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के रूप में कार्यभार संभालने के बाद डीएफसीसीआईएल में यह उनका पहला निरीक्षण रहा। यह निरीक्षण आगामी कुंभ मेला–2025 के आयोजन, उसकी तैयारी की जांच तथा भारतीय रेलवे में चलने वाली सभी मालगाड़ियों को ईडीएफसी में स्थानांतरित करने के मॉडल के अनुरूप किया गया।निरीक्षण के दौरान उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय और डीएफसी सीआईएल के अधिकारी शरत चंद्रायन, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, डी के वर्मा मुख्य माल परिवहन प्रबंधक, रजत पुरवार, डीजीएम (जी), ए. बी. सरन मुख्य महाप्रबंधक प्रयागराज पूर्व, देवेंद्र सिंह मुख्य महाप्रबंधक प्रयागराज पश्चिम, आशीष मिश्रा, महाप्रबंधक सुरक्षा, शशिकांत द्विवेदी महाप्रबंधक विद्युत, मन्नू प्रकाश दुबे अपर महाप्रबंधक संचालन और व्यवसाय विकास, ईडीएफसी और अन्य डीएफसी अधिकारी मौजूद रहे।महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने सभी नियंत्रण अधिकारियों के साथ बातचीत की, ओसीसी में उपयोग में लाई जा रही सभी तकनीकी जानकारियों की समीक्षा की तथा सभी की सराहना की। महाप्रबंधक मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम और हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर मशीन के उपयोग और उसके परिणामों से प्रभावित और संतुष्ट थे।अपने संबोधन के दौरान महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने ईडीएफसी में किए जा रहे ट्रेन संचालन की सराहना की।

प्रादेशिक पुरस्कार योजनान्तर्गत पुरस्कार प्राप्त हेतु इच्छुक उद्यमी 17 अगस्त तक अपना आवेदन कार्यालय में करें प्रस्तुत

सोनभद्र(आरएनएस)। प्र0 उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र आर0पी0 गौतम ने जनपद के विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में कार्यरत समस्त उद्यमियों को सूचित किया है कि वित्तीय वर्ष–2024–25 हेतु सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को प्रोत्साहन हेतु प्रादेशिक पुरसकार योजना के अन्तर्गत आवेदन पत्र कार्यालय–उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, लोढ़ी सोनभद्र के द्वारा आमंत्रित किये जाते हैं। प्रादेशिक पुरस्कार योजनान्तर्गत विनिर्माण क्षेत्र की 14 श्रेणियों जैसे–मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, फूड, कारपेट, लकड़ी फर्नीचर, हस्तशिल्प इत्यादि तथा सेवा क्षेत्र में 12 श्रेणियों जैसे–टूरिज्म, शॉपिंगध्रिटेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, होटल, फाईनेन्स इत्यादि से जुड़े उद्यमी पुरस्कार हेतु पात्र हैं। उन्होंने बताया कि प्रादेशिक पुरस्कार योजनान्तर्गत पुरस्कार प्राप्त करने के इच्छुक उद्यमियों से अनुरोध है कि अपना आवेदन 17 अगस्त,2024 तक कार्यालय–उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र लोढ़ी, सोनभद्र में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। आवेदन करने हेतु विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में अजित सिंह सहा0 प्रबन्धक मो0 नं0–6306233232,चन्द्र प्रकाश पटेल सहा0 प्रबन्धक मो0 नं0–9648370157 एवं केशव यादव सहायक आयुक्त उद्योग के मो0 नं0–9761725083 पर सम्पर्क कर सकते हैं तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में लोढ़ी सोनभद्र स्थित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सुपर रिच की संपत्ति पर टैक्स लगा रोजगार, शिक्षा–स्वास्थ्य का सवाल हल करे केंद्र सरकार

म्योरपुर/सोनभद्रं (आरएनएस)अगस्त क्रांति के मौके पर रासपहरी पंचायत भवन में आयोजित युवा संवाद में प्रस्ताव पारित कर सुपर रिच की संपत्ति पर समुचित टैक्स, शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार की गारंटी, देश में खाली एक करोड़ पदों पर तत्काल भर्ती और हर व्यक्ति के सम्मानजनक जिंदगी सुनिश्चित करने के संवैधानिक दायित्व जैसे सवालों को हल करने की मांग केंद्र सरकार से की गई। युवा मंच एवं अन्य सहयोगी संगठनों की ओर से देशव्यापी स्तर पर संचालित रोजगार अधिकार अभियान के तहत आयोजित युवा संवाद में वक्ताओं ने कहा कि बेरोजगारी की समस्या हल करना संभव है बशर्ते आर्थिक नीतियों में बदलाव किया जाए।

बताया कि सोनभद्र में रोजगार अधिकार अभियान के तहत बड़े पैमाने पर जनसंपर्क व संवाद किया गया है। युवा संवाद में शामिल छात्राओं ने जनपद में न्यूनतम दो आवासीय महिला महाविद्यालय खोले जाने का मुद्दा उठाया। जनपद में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के घोर अभाव को इस आदिवासी बहुल क्षेत्र की सरकारी उपेक्षा परिणाम बताया। कहा कि देश में गहराते रोजगार संकट के सर्वाधिक शिकार सोनभद्र जैसे पिछड़े क्षेत्रों के नागरिक हैं। कार्यक्रम को युवा मंच जिला संयोजक सविता गोंड, जिला अध्यक्ष रूबी सिंह गोंड, गुंजा गोड़ आदि पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इस मौके पर आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका व मजदूर किसान मंच के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड समेत अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। युवा संवाद में राजकुमारी गोड़, रवीना गोड़ सावित्री गोड़ समरजीत गोड़, ललित गोड, सरस्वती, जुगनू सिंह, आरती गोड़ समेत बड़ी संख्या में छात्र व छात्राओं की मौजूदगी रही।

गैर राज्य या जनपद के प्रत्याशियों का विरोध करेगी महासभा- उदय राज कुशवाहा

प्रयागराज (आरएनएस)। कुशवाहा, मौर्य शाक्य सैनी महासभा प्रयागराज उप चुनाव मे गैर राज्य या जनपद के प्रत्याशियों का विरोध करेगी। यह बातें महासभा के अध्यक्ष उदय राज कुशवाहा ने आज प्रेस वार्ता नें कहीं।उन्होंने कहा कि प्रयागराज की राजनीति में कोई भी स्वजातीय बन्धु बाहरी जिला से आये हुए प्रत्याशियों को स्वीकार नहीं करेंगे। जैसे गाजीपुर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, रायबरेली, बलिया, छपरा, बनारस आदि जिलों एवं राज्यों से कोई भी राजनीतिक दल अगर समाज के भावना के विपरित प्रत्याशी बनाकर प्रयागराज में भेजता है तो उसका पुर जोर विरोध किया जाएगा। अगर पार्टियों प्रत्याशी देना चाहती है तो क्षेत्रीय लोगों को व यहाँ के मूल निवासी को मौका दे। जो सदियों से प्रयागराज की धरती पर प्रवास कर रहे हैं। महासभा उसके यहा का निवासी नहीं मानती जो अन्य जिलों से आकर यहाँ मकान बनाकर व्यवसाय कर रहे है।उन्होंने कहा कि हर विधान सभा में इतने स्वाजातीय मतदाता है कि चाहे तो चुनाव जिता भी सकते है और हरा भी सकते है।

छत का गाटर टूटने से, छत से नीचे गिरकर राजगीर हुआ घायल

मीरजापुर(आरएनएस)। नगर के कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत इमामबाड़ा इलाके में मकान के गाटर को दुरुस्त करते समय छत से नीचे गिरकर राजगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आनन–फानन में उपचार के लिए ट्रामा सेंटर में दाखिल कराया गया है। जानकारी के अनुसार नगर के सिटी कोतवाली अंतर्गत पक्के पोखरा मोहल्ला निवासी संजय पुत्र पोकई 38 वर्ष राजगीर का काम करते हैं। शुक्रवार को वह इमामबाड़ा में एक मकान में गाटर दुरुस्त करने का काम कर रहे थे कि तभी अचानक गाटर टूटने से वह 9 फीट छत से नीचे आ गिरे जिससे उनको गंभीर चोटे आई हैं। उन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला मंडलीय अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर में दाखिल कराया गया है।

मीरजापुर में आकाशीय बिजली से दो युवकों की हुई मौत, गांव में पसरा सन्नाटा

मीरजापुर(आरएनएस)। खेत में धान की रोपाई करते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आ जाने से दो युवकों की मौत हो गई है। जानकारी होते ही गांव परिवार में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक जिले के पड़री थाना क्षेत्र के सूजवार गांव में गांव निवासी युवक संदीप मौर्या पुत्र अमृत लाल 23 वर्ष तथा मुकेश मौर्या पुत्र रमाशंकर 24 वर्ष घर से तकरीबन एक किमी दूर खेत में धान की रोपाई में जुटे हुए थे कि तभी अचानक तेज गरज बरस के साथ दिन में 11 बजे आकाशीय बिजली गिरने से दोनों उसकी चपेट में आकर बुरी तरह से झुलस गए थे। इधर परिवार के लोग दोनों के मोबाइल पर फोन करते रहे हैं लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर करीब जाकर देखा तो दोनों खेत में औंधे मुंह गिरे पड़ें हुए थे। जिन्हें आनन–फानन में ग्रामीणों की मदद से ट्रामा सेंटर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया है। दोनों युवकों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया है। परिजनों का रो–रो कर बुराहाल हो उठा है।

भोले बाबा दरबार शिवद्वार जा रहे पति-पत्नी दुर्घटना का हुए शिकार, पहुंच गए अस्पताल

मीरजापुर(आरएनएस)। जनपद से लगे हुए सोनभद्र जिले के शिवद्वार स्थित बाबा भोलेनाथ के दर्शन को जा रहे पति–पत्नी सड़क दुर्घटना का शिकार होकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए ट्रामा सेंटर में दाखिल कराया गया है। जहां घायल पत्नी की मौत हो गई है। जबकि पति घायल है। मीरजापुर नगर के कटरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत संगमोहाल बुधिया कालोनी निवासी श्यामू जायसवाल 45 वर्ष अपनी पत्नी नीलू जायसवाल 42 के साथ बाइक से सवार होकर सोनभद्र के शिवद्वार दर्शन पूजन के लिए निकले थे। वह जैसे ही मड़िहान तहसील के समीप ब्रेकर पर पहुंचे थें कि बाइक फिसलने से दोनों बाइक समेत गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। दोनों को सिर व चेहरे पर गंभीर चोटे आई हैं। इस हादसे में पत्नी नीलू की दशा गंभीर बनी हुई थी जिनकी बाद में मौत हो गई है।

मधुशाला में चखना बनाते समय लगी आग, शीशी छोड़ भागे शराबी

मीरजापुर(आरएनएस)। नगर के कटरा कोतवाली क्षेत्र के भटवा पोखरी मोहल्ले में स्थित देशी शराब की दुकान में आग लग गई जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया है। भटवा पोखरी मोहल्ले में देशी शराब यानी मधुशाला की दुकान है। दुकान के अंदर सिलेंडर गैस पर चखना बनाया जा रहा था कि चखना बनाते समय दुकान में आग लग गई। जिससे अफरा–तफरी मची गई। सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया है। गनीमत रहा की कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। बताया जा रहा है चखना तैयार किया जा रहा था इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर लीकेज होने के चलते आग लग गई थी। समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम न पहुंचती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकला आदिवासी जुलुस हुई सभा

मीरजापुर(आरएनएस)। आदिवासी समाज की मूलभूत सुविधाओं और गोंड आदिवासी समाज को उनका हक अधिकार दिलाने की गरज से विश्व आदिवासी दिवस अवसर पर नगर में जुलूस निकाल, प्रदर्शन कर एकजुटता और अधिकारों की बात की गई। आदिवासी गोंड समाज के लोगों ने अपने पारंपरिक वेशभूषा में पारंपरिक हथियार तीर–कमान से लैस होकर प्रदर्शन किया है। विश्व आदिवासी दिवस को गोंड समाज के लोगों ने काफी अहम बताते हुए कहा कि 9 अगस्त का दिवस हम आदिवासियों के लिए अहम है। बताया गया कि विश्व भर के आदिवासियों के संरक्षण मानवाधिकारों के लिए 1982 में संयुक्त राष्ट्र संघ से एक कार्यदल का गठन किया गया था तथा 9 अगस्त 1994 को इस कार्यदल की प्रथम बैठक जेनेवा में सम्पन्न हुई थी। तभी से विश्व के सभी देशों में आदिवासी समाज के लोग आज के दिन को मूल निवासी दिवस के रूप में भी मनाते हैं। इस दौरान अखिल भारत वर्षीय गोंड महासभा, आदिवासी विकास समिति, गोंडवाना समग्र क्रान्ति आंदोलन, अखिल भारतीय गोंड आदिवासी संघ, अखिल भारतीय कोयापूनेम संघ, मीरजापुर गोंड आदिवासी समाज उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में जिले भर से जुटे गोंड आदिवासी समाज के लोगों का सीटी क्लब के मैदान में जुटान हुआ जहां सर्वप्रथम अपने इष्ट देव (प्रकृति देव) बड़ादेव की गोगो (आदिवासी आराधना) कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। इस दौरान नगर क्षेत्र में तकरीबन 6 किमी दूरी की गौरव यात्रा निकाल कर लोगों को आदिवासी समाज के पारंपरिक हथियार तीर–कमान वेशभूषा से अवगत कराते हुए आदिवासी परंपराओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। गौरव यात्रा में आदिवासियों का पारंपरिक परिधान और तीर–कमान लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। विश्व आदिवासी दिवस पर एकजुट हुए आदिवासी गोंड जनजाति समाज के लोगों ने मांग किया कि गोंड जनजाति के लोगों को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश के तहत जाति प्रमाण पत्र जारी किया जाएं। न कि उनके रहन–सहन, वेशभूषा, रंग–रूप, खान–पान, पेशा तथा बोलचाल की भाषा का उदाहरण देकर शासनादेश का उलंघन करते हुए आदिवासियों को हक अधिकार से वंचित किया जाए। विश्व आदिवासी दिवस पर सम्पूर्ण देश में 9 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए, जनपद के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में आदिवासी विद्यालय की स्थापनाकी जाए, किसी भी चौराहे पर आदिवासी महापुरुष की प्रतिमा लगवाई जाएं, देश में लगातार आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार अन्याय व शोषण पर तत्काल रोक लगाई जाए। इसी प्रकार प्रदेश के भिन्न–भिन्न जिलो में निवासरत कोल, मुसहर जाति को भी जनजाति में शामिल किया जाए, गोंडी भाषा को राज्य भाषा का दर्जा प्रदान किया जाएं। इस मौके पर रामप्यारे गोंड, रामनिवास, राजेश कुमार गोंड इत्यादि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।